

डॉ. टेड हिल्डेब्रांट, ओटी इतिहास, साहित्य और धर्मशास्त्र, व्याख्यान 6

© 2012, डॉ. टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. टेड हिल्डेब्रांट हैं जो पुराने नियम का इतिहास, साहित्य और धर्मशास्त्र पढ़ा रहे हैं। वंशावली कालक्रम के बराबर नहीं, भगवान की छवि और ईडन गार्डन में दो पेड़ों पर व्याख्यान संख्या छह।

ए. प्रश्नोत्तरी पूर्वावलोकन [00:00-3:26]

इस सप्ताह के लिए, आप लोग निर्गमन पर काम कर रहे हैं और आपको 20 अध्याय या दस आज्ञाओं तक कुछ पढ़ना है। उसके बाद इसके चुनिंदा अध्याय हैं ताकि आपको पूरा पढ़ने की जरूरत न पड़े। मूलतः, आप सारणी के बहुत से विवरणों को छोड़ रहे हैं। इस सप्ताह के लिए दो लेख हैं, एक ब्रूस वाल्टके नाम के व्यक्ति द्वारा है, जो जोशुआ के तहत फिलिस्तीन के पुरातत्व साक्ष्य पर एक सुपर-विद्वान है। इसलिए मुझे लगता है कि आपको यह दिलचस्प लगेगा। अब, यह महत्वपूर्ण है क्योंकि इस सप्ताह दो लेख हैं: एक लेख जिसके लिए आप ज़िम्मेदार होंगे, दूसरे लेख के लिए मैं बस आपसे यह पूछने जा रहा हूँ कि क्या आपने वॉल्टके लेख पढ़ा है। मैं आपसे वॉल्टके लेख का विवरण नहीं माँगने जा रहा हूँ, वहाँ बहुत सारे विवरण हैं। मैं बस आपसे इसे पढ़ने के लिए कहने जा रहा हूँ। अब "खूनी दूल्हा" लेख पर, मैं चाहता हूँ कि आप इस पर ध्यान केंद्रित करें। तो उस पर मैं आपसे विशिष्ट प्रश्न पूछूंगा? तो "खूनी दूल्हा", उस एक पर ध्यान केंद्रित करें, दूसरा जो अभी पढ़ा गया है। फिर कुछ स्मृति श्लोक हैं। मुझे लगता है कि स्मृति छंद वास्तव में कठिन हैं। यह क्या है, भजन 23? मुझे लगता है कि इसकी शुरुआत "प्रभु मेरा चरवाहा है" से होती है, आपने इसे कई बार सुना होगा। इसलिए मैं चाहता हूँ कि आप जानें कि "प्रभु मेरा चरवाहा है।" वैसे, यह वास्तव में एक महत्वपूर्ण भजन है और आपको यह जानना चाहिए। यह वास्तव में काम आता है। यह सीखने के लिए एक बहुत अच्छा भजन है।

इस पाठ्यक्रम के लिए सामग्री के मामले में हम अब दोगुने हो गए हैं। आपमें से कुछ ने अभी भी पाठ्यक्रम के लिए सामग्री के लिए भुगतान नहीं किया है और इसलिए अब

यह बीस रुपये है। मैं तुम्हारा पीछा नहीं करना चाहता। शुक्रवार के बाद, आपका क्विज़ और परीक्षा देना समाप्त हो जाएगा। आपको इसे अपने ग्रेड में बदलना होगा या इसमें कटौती शुरू हो जाएगी, आप जानते हैं कि आप क्विज़ नहीं दे सकते हैं और आप परीक्षा नहीं दे सकते हैं। तो आपको इसे इसी सप्ताह प्राप्त करना होगा, यह कोई विकल्प नहीं है।

ठीक है, आइए प्रार्थना के साथ शुरुआत करें और फिर हम आज उत्पत्ति की पुस्तक में गोता लगाएँगे और आगे बढ़ेंगे।

पिता, हम आपके प्रति आपकी दयालुता के लिए धन्यवाद करते हैं और हम उस सुंदरता के लिए भी आपको धन्यवाद देते हैं जो न्यू इंग्लैंड में पतझड़ में हमारे सामने आती है। ताज़ा मौसम के लिए और हम इसके लिए आपको धन्यवाद देते हैं। हम आपके शब्दों के लिए धन्यवाद करते हैं, हम आपको धन्यवाद देते हैं कि आपने बोला है, आपने इसे लिखवाया है और अब आप हमें इसे पढ़ने का सौभाग्य देते हैं। हम प्रार्थना करते हैं कि जब हम इसकी व्याख्या करने का प्रयास कर रहे हैं तो आप हमारी मदद करें ताकि हम इसे ठीक से समझ सकें। हम प्रार्थना करते हैं कि यह हमें आपकी महिमा और सम्मान करने, आपकी अधिक सटीकता से पूजा करने और आपके बेटे की सराहना करने के लिए मार्गदर्शन कर सके जो आपने हमारे लिए दिया है। तो आज अपने शब्दों में हमारे अन्वेषणों में हमारी सहायता करें। धन्यवाद कि हम आपको आज भी "पिता" कह सकते हैं। मसीह के अनमोल नाम में हम प्रार्थना करते हैं, आमीन।

B. पृथ्वी की आयु कितनी है? रूढ़िवाद की परीक्षा नहीं [3:27-4:58]

हम यह प्रश्न पूछकर शुरुआत करना चाहते हैं: बाइबल के अनुसार पृथ्वी कितनी पुरानी है? हम इस पर और इस प्रश्न के उत्तर पर काफ़ी चर्चा कर रहे हैं: बाइबल में यह कहाँ लिखा है कि पृथ्वी कितनी पुरानी है? बाइबल में कहीं भी ऐसी कोई आयत नहीं है जो यह बताती हो कि पृथ्वी कितनी पुरानी है। तो आपको खुद से कुछ सवाल पूछने होंगे कि आप इससे कितना बड़ा सौदा करने जा रहे हैं। हम यह कहकर शुरुआत करना चाहते हैं, यदि बाइबल विशेष रूप से यह नहीं बताती है कि पृथ्वी कितनी पुरानी है, तो क्या आपको इसे रूढ़िवाद की परीक्षा बनाने के बारे में सावधान रहना होगा? अब "रूढ़िवाद की परीक्षा"

से मेरा तात्पर्य यह है: क्या आप इस मुद्दे पर चर्चों को विभाजित करने जा रहे हैं कि पृथ्वी कितनी पुरानी है? अब, वैसे, क्या कुछ चर्च इस पर विभाजित हो गए हैं? क्या यह गलत मुद्दा है? यह गलत मुद्दा है क्योंकि अलग-अलग लोगों की अलग-अलग राय होगी और यह केवल उनकी राय है क्योंकि बाइबल हमें यह नहीं बताती है कि पृथ्वी कितनी पुरानी है। इसलिए मैं कहना चाहता हूँ कि पृथ्वी की उम्र रूढ़िवाद की कसौटी नहीं होनी चाहिए क्योंकि बाइबिल में एक भी स्पष्ट श्लोक नहीं है जो बताता हो कि पृथ्वी कितनी पुरानी है। यह सब अनुमान है। आपका अपना अनुमान हो सकता है, आपके पास अपने सभी कारण हो सकते हैं जो आप चाहते हैं लेकिन यह अभी भी अनुमान ही है। इस पर आपके पास " प्रभु यों कहता है " नहीं है। तो आपको पीछे हटना होगा और महसूस करना होगा: क्या आपके अपने अनुमान गलत हो सकते हैं? मैं कहता हूँ, आपके अनुमान गलत हो सकते हैं।

सी. विज्ञान और बाइबिल [4:59-7:56]

बेशक, मैं मज़ाक कर रहा हूँ, क्योंकि मैं आपको अगली कक्षा की अवधि में वे चीज़ें दिखाऊँगा जहाँ मैंने पिछले कुछ वर्षों में अपनी राय बदली है। मैंने चीज़ों के बारे में अपने सोचने का तरीका बदल दिया है। इसलिए इस बारे में सावधान रहें। आपको विज्ञान को आगे बढ़ाने और बाइबल से विज्ञान को छीनने के बारे में सावधान रहना होगा। यहां कुछ उदाहरण दिए गए हैं। मुझे लगता है कि हमने पिछली बार इनमें से कुछ का उल्लेख किया था। भजन 140, श्लोक 3 में "ज़हर"। भजन 140 एक सुंदर है। यदि आप जानवरों से प्यार करते हैं, तो भजन 140 आपका भजन है। स्तोत्र 140:3 में साँप के ज़हर के बारे में बताया गया है जो उसकी जीभ के नीचे होता है। अब वह साँप, साँप और साँप हैं। जब कोई रैटलस्नेक आपको काटता है, तो क्या इसका कारण यह है कि जहर उसकी जीभ के नीचे है या जहर उसके दांतों में है? यह दांतों में है। तो यह एक काव्यात्मक वर्णन है, क्या इसे वैज्ञानिक रूप से लिया जाना चाहिए कि सभी एस्पों की जीभ के नीचे विशेष जहर होता है? वह बात नहीं है। इसलिए आपको विज्ञान को बाइबिल के अंदर या बाहर धकेलने में सावधान रहना होगा। यह एक काव्यात्मक वर्णन है, इसे वैज्ञानिक वर्णन के रूप में नहीं लिया जाना चाहिए।

यहाँ यशायाह अध्याय 11, पद 12 में; यह "पृथ्वी के चार कोनों" के बारे में बात करता है। फिर आप यह नहीं कह सकते: वे सभी चपटी पृथ्वी में विश्वास करते थे इसलिए बाइबल चपटी पृथ्वी की शिक्षा देती है। आप गलत बात समझ रहे हैं। यह जो कह रहा है वह सारी पृथ्वी पर है, पृथ्वी के चारों कोनों पर। वैसे, इक्कीसवीं सदी में भी हम धरती के चार कोनों की बात करते हैं। 9/11 के लिए न्यूयॉर्क शहर जाने के लिए पृथ्वी के चारों कोनों से लोग आए थे--पृथ्वी के चारों कोनों से। हम केवल उत्तर, दक्षिण, पूर्व, पश्चिम के बारे में सोच रहे हैं। हम यह बयान नहीं दे रहे हैं कि पृथ्वी चपटी है। तो आपको इससे सावधान रहना होगा।

अय्यूब 9:6 पृथ्वी के खम्भों के बारे में बात करता है। फिर, यह कोई वैज्ञानिक वर्णन नहीं है, यह इस बात का विद्युतचुंबकीय वर्णन नहीं है कि पृथ्वी कैसे संतुलित है। जब अय्यूब बात करता है तो उसे विद्युतचुम्बकत्व के बारे में पता नहीं होता। यह कहने का एक काव्यात्मक तरीका है कि पृथ्वी "स्तंभों पर स्थापित" स्थिर है। इसलिए आपको इस कविता में से कुछ को लेने और विज्ञान को बाइबल में धकेलने या विज्ञान को बाइबल से बाहर निकालने में सावधान रहना होगा। सूरज अभी भी खड़ा है, हमें जोशुआ 10 में इसके बारे में बात करनी होगी। समस्या यह है कि "अभी भी खड़ा है" का क्या मतलब है। वहां शब्द का वास्तव में अर्थ "मौन" हो सकता है और इसलिए हमें इसके बारे में बात करनी होगी और जब हम यहोशू की पुस्तक पर पहुंचेंगे तो मैं उससे निपटूंगा। यहाँ मुझसे लगभग तीन सप्ताह आगे हैं।

अब, मेरी बात प्रमुख पर प्रमुख है, लघु पर गौण है। पृथ्वी की आयु एक मामूली बात है; उस पर ज्यादा ध्यान न दें और अपना रवैया जांचें। जब कोई आपसे असहमत होता है, तो क्या आप असहमति को संभालने में सक्षम होते हैं? यह सचमुच महत्वपूर्ण है। जब आप इनमें से कुछ धार्मिक बिंदुओं पर लोगों से असहमत होते हैं तो आप उनके साथ कैसा व्यवहार करते हैं?

D. वंशावली कालक्रम नहीं है [7:57-10:00]

यह एक और बड़ा बिंदु है: वंशावली। कुछ लोग पृथ्वी की प्रारंभिक तिथि दस से बीस

हजार वर्ष पुरानी कैसे बता देते हैं? लोग वंशावली का उपयोग करते हैं और वे क्या करते हैं कि वे उम्र जोड़ना शुरू करते हैं - यह लड़का नौ सौ साल जीवित रहा, यह लड़का नौ या उनसठ साल जीवित रहा, यह लड़का जीवित रहा ... और वे सभी वंशावली जोड़ते हैं। आप वंशावली को जोड़कर यह निर्धारित करते हैं कि पृथ्वी कितनी पुरानी है। क्या आप यह कर सकते हैं? क्या वंशावली हमें कालक्रम बताने के लिए होती है? कालक्रम का संबंध *क्रोनोस से है* जो ग्रीक में "समय" है। वंशावली का इससे क्या लेना-देना है? पिता-पुत्र, पिता-पुत्र या परिवार में जो भी हो, ऐसे ही नीचे आते हैं। कालक्रम और वंशावली दो अलग चीजें हैं। आप उन्हें मिला नहीं सकते और मैं आपको दिखाऊंगा कि कैसे वे एक जैसे नहीं हैं। तो दो बड़ी वंशावली जिनके द्वारा लोग पृथ्वी की आयु स्थापित करने का प्रयास करते हैं वे उत्पत्ति 5 हैं - आदम की वंशावली; और फिर उत्पत्ति 11 नूह से इब्राहीम के समय तक की वंशावली के साथ। इसलिए वे उन संख्याओं को जोड़ते हैं कि ये लोग कितने साल तक जीवित रहे। इसके साथ समस्या यह है कि यदि आप वंशावली जोड़ते हैं, तो आपको दुनिया के निर्माण की तारीख 4004 ईसा पूर्व मिलती है। यदि आप बिशप अशर की तरह वंशावली जोड़ते हैं, तो आप पाते हैं कि पृथ्वी का निर्माण 4004 ईसा पूर्व हुआ था। ऐसा क्यों नहीं हो सकता? यदि पृथ्वी 4004 ईसा पूर्व में बनाई गई थी, तो आपको कम से कम एक हजार साल बाद बाढ़ की आवश्यकता होगी क्योंकि इनमें से कई लोग कम से कम 900 साल जीवित रहते हैं। अब यदि आप 4000 ईसा पूर्व से हैं, तो आप जानना चाहेंगे कि बाढ़ कब आई थी? 3000 ईसा पूर्व या 2000 रेंज में। इसमें दिक्कत क्या है? क्या हमारे पास मेसोपोटामिया और मिस्रवासियों दोनों के 3000 ईसा पूर्व के लिखित अभिलेख हैं? तो यह नहीं हो सकता। वैसे, वहाँ शायद जेरिको के उन दो स्तंभों जितना बड़ा एक टावर है जो दस हजार साल पुराना है। यदि जेरिको का वह टावर 8000 ईसा पूर्व का है, तो पृथ्वी का निर्माण 4000 ईसा पूर्व कैसे हो सकता है? तुम जानते हो मैं क्या कह रहा हूँ? क्या भगवान ने मीनार बनाई? मुझे खेद है, यह एक मजाक माना गया था। टावर भगवान ने नहीं बनाया। मनुष्यों ने टावर को 8000 ईसा पूर्व बनाया था, इसलिए आपको इसके साथ वास्तव में सावधान रहना होगा।

ई. मैथ्यू 1: वंशावली कालक्रम के बराबर नहीं, नाम छोड़े गए [10:01-16:25]

अब मैं तुम्हें यह दिखाता हूँ। यदि आपके पास अपनी बाइबिल है, तो मैथ्यू 1 पर जाएँ और मैं आपको यीशु मसीह की वंशावली दिखाऊंगा। क्या ईसा मसीह की वंशावली में छेद हैं? हाँ। तो आप मैथ्यू 1, श्लोक 8 को देखें, यह कहता है कि सुलैमान रूबियाम का पिता था , रूबियाम अबियाह का पिता था , अबियाह आसा का पिता था , और फिर श्लोक आठ: आसा यहोशापात का पिता था, यहोशापात यहोराम का पिता था । फिर आठवीं आयत में यह कहा गया है कि यहोराम उज्जियाह का पिता था । मैथ्यू 1:8 कहता है कि यहोराम उज्जियाह का पिता था , क्या यह गलत है? क्या यहोराम उज्जियाह का पिता था ? और उत्तर "नहीं" है, वह नहीं था। यहोराम उज्जियाह का पिता नहीं था । अब यह एक सच्चाई है कि आप मुझसे सहमत हों या असहमत, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। यह एक तथ्य है। यहोराम उज्जियाह का पिता नहीं था , वह परदादा था । यहोराम और उज्जियाह के बीच तीन नाम छोड़ दिए गए हैं । आप कहते हैं, "आप यहाँ वास्तविक हठधर्मिता की बात कर रहे हैं हिस्सेबांडट, आप यह कैसे जानते हैं?" खैर, मैं कुछ नहीं जानता. मैं बाइबिल के पास जाता हूँ. यदि आप 1 इतिहास 3:11 पर जाएं तो यह हमें यहोराम और उज्जियाह के बीच के तीन राजाओं के नाम बताता है । इसमें उन तीन राजाओं की सूची दी गई है जिन्हें छोड़ दिया गया है और उनके नाम हैं: अहज्याह , योआश और अमस्याह । इसलिए तीन नाम छोड़ दिए गए हैं.

अब मैथ्यू तीन नाम क्यों छोड़ेगा? वह इस्राएल के राजाओं की सूची में आ रहा है, क्या अधिकांश यहूदी इस्राएल के राजाओं को जानते होंगे? हम इस कक्षा के राजाओं को याद नहीं करते हैं लेकिन अधिकांश यहूदी सभी राजाओं को जानते होंगे और उन्हें पता होगा कि उन तीन नामों को छोड़ दिया गया था। मैथ्यू ने ऐसा क्यों किया? आइए मैं आपको श्लोक 17 तक जाकर पढ़ता हूँ। इसे देखें: मैथ्यू 1:17। "इब्राहीम से दाऊद तक चौदह पीढ़ियाँ हैं।" इब्राहीम की तिथि लगभग क्या थी?—2000 ई.पू. डेविड क्या है?—1000 ई.पू. "इब्राहीम से लेकर दाऊद तक चौदह पीढ़ियाँ हैं। दाऊद से लेकर बेबीलोन की बंधुआई तक चौदह पीढ़ियाँ हैं।" तो डेविड से लेकर, 1000 ईसा पूर्व से लेकर 586 ईसा पूर्व बेबीलोन की कैद

तक, चौदह पीढ़ियाँ हैं। फिर यह कहता है कि "बेबीलोन में निर्वासन से ईसा मसीह तक" चौदह पीढ़ियाँ हैं। इस प्रकार इब्राहीम से दाऊद तक चौदह पीढ़ियाँ, दाऊद से बेबीलोन की बन्धुवाई तक चौदह पीढ़ियाँ, और निर्वासन से यीशु तक चौदह पीढ़ियाँ हुईं। मैथ्यू ने इसे चौदह, चौदह और चौदह कैसे बना दिया? अंदाजा लगाइए, उन्होंने तीन नाम हटा कर ऐसा किया। क्या आप लोग फ़ज कारकों के बारे में जानते हैं? मैं विज्ञान में था और वे इसे फ़ज फैक्टर कहते हैं। यह ठीक से काम नहीं कर सका, इसलिए हमने इसे चौदह करने के लिए तीन नाम हटा दिए। अब आप कहेंगे, उसने सचमुच ऐसा नहीं किया? हाँ, उसने सचमुच ऐसा किया। हम उन तीन नामों को जानते हैं जिन्हें उन्होंने छोड़ दिया।

अब उसने ऐसा क्यों किया? एक सुझाव, और मुझे लगता है कि यह वास्तव में अच्छा है: अंग्रेजी में हम क्या करते हैं? क्या आपके पास ऐसे अक्षर हैं जिनसे शब्द बनते हैं? क्या संख्याएँ 1, 2, 3, 4, 5 अक्षर a, b, c से भिन्न हैं? तो हमारे पास दो अलग-अलग प्रणालियाँ हैं - संख्याएँ और अक्षर। क्या आपको एहसास है कि यहूदी अपनी संख्या के लिए अपनी वर्णमाला का उपयोग करते हैं? अब प्रश्न: क्या यह कोई समस्या है? तो "ए" 1 है, "बी" 2 है, "सी" 3 है, "डी" 4 है, "ई" जो भी नीचे जाता है। क्या उनके अक्षर और उनकी संख्याएँ कभी-कभी समस्याएँ पैदा कर सकती हैं? कभी-कभी आप नहीं जानते कि आप किसी संख्या को देख रहे हैं या किसी शब्द को देख रहे हैं। यह बहुत दिलचस्प है कि यदि आप "डी" के लिए हिब्रू अक्षर लेते हैं जो कि 4 है, "वी" 6 है, और आप डी लेते हैं 4 है और आप उन्हें एक साथ जोड़ते हैं: आपको 4 प्लस 6 प्लस 4 मिलता है, यह क्या है? चौदह। यह डीवीडी कौन है? डेविड। तो यहाँ सुझाव यह है कि मैथ्यू कह रहा है: यीशु मसीह किसका पुत्र है? दाऊद का पुत्र, चौदह, चौदह, चौदह, दाऊद, दाऊद, दाऊद।

क्या आप देख रहे हैं कि वह क्या कर रहा है? वह उन तीनों को हटाकर इसे चौदह कर देता है क्योंकि उसका अभिप्राय यही था। यदि आपको यह समझ में नहीं आया, तो वह पद एक में स्पष्ट रूप से कहते हैं: "दाऊद के पुत्र, यीशु मसीह की वंशावली का एक अभिलेख।" फिर वह मूल रूप से यह दिखाने के लिए उस वंशावली का निर्माण करता है। अब, वैसे, क्या इस तरह तीन नाम हटा देना ठीक है? "पिता" शब्द का अर्थ "पूर्वज" भी है।

यीशु मसीह, दाऊद का पुत्र, क्या वहां "पुत्र" शब्द का प्रयोग किया गया है? डेविड से लेकर जीसस तक कितना है? यीशु शून्य थे ना? डेविड 1000 ईसा पूर्व के हैं। तो वहाँ एक हजार साल क्या है। यीशु वास्तव में शून्य नहीं थे। मैं बस यह देखने के लिए कह रहा था कि कोई मुस्कराता है या नहीं। तो आपको यीशु के समय से एक हजार वर्ष पहले का समय मिल गया। तो "यीशु मसीह, दाऊद का पुत्र," वह क्या था? वह दाऊद का "वंशज" था। ईसा मसीह के पिता सीधे तौर पर डेविड नहीं थे। उनके पिता ईश्वर और पवित्र आत्मा थे। लेकिन आप जानते हैं कि मैं क्या कह रहा हूँ, डेविड मैरी के माध्यम से उसका पूर्वज था। तो मुझे लगता है कि वहां यही चल रहा है।

तो मैं बस इतना ही कहना चाह रहा हूँ: क्या हम निश्चित रूप से जानते हैं कि वंशावली में छेद हैं? हाँ। आप कालक्रम स्थापित करने के लिए वंशावली का उपयोग नहीं कर सकते। छेद हो सकते हैं। कौन जानता है कि वे छेद कितने लंबे हो सकते हैं? तो यह आपको 4004 ईसा पूर्व पर छोड़ देता है। आज उसे कोई स्वीकार नहीं करता। यह कुछ ऐसा है जो बिशप अशर ने बहुत पहले किया था। आज कोई भी उस पर विश्वास नहीं करता है क्योंकि, उदाहरण के लिए, जेरिको में हमें ऐसे अवशेष मिले हैं जो 8000 ईसा पूर्व के हैं और इसलिए 4004 ईसा पूर्व सही नहीं हो सकते। हमें एहसास है कि वंशावली में जब "पिता/पुत्र" कहा जाता है, तो इसमें भारी अंतर हो सकता है। वह महान महान हो सकता है महान अमुक के परदादा . तो उससे सावधान रहें.

एफ. उत्पत्ति 1 में साहित्यिक पैटर्न: फ़िएट-पूर्ति [16:26-18:54]

अब, उत्पत्ति की पुस्तक में, हम अध्याय एक के बारे में बात कर रहे हैं। यहां कुछ पैटर्न हैं और मैं आपको दो पैटर्न दिखाना चाहता हूँ। उत्पत्ति 1, सृष्टि के दिनों के पैटर्न के संदर्भ में ये कुछ दिलचस्प हैं। इसे फ़िएट-फ़ुलफ़िलमेंट पैटर्न कहा जाता है और यह यहाँ है। देखें कि क्या आप इसे पहचानते हैं। ऐसा बार-बार होता है. यहाँ उत्पत्ति 1 है - उत्पत्ति के सात दिन। क्या आपको उत्पत्ति के सात दिन याद हैं? यह हमेशा शुरू होता है: "और भगवान ने कहा," एक **घोषणा** है। फिर एक **आदेश** है "और भगवान ने कहा कि ऐसा होने दो--क्या? "वहाँ प्रकाश होने दो।" दूसरा दिन, क्या होने दो? ऊपर का आकाश ऊपर के

जल और नीचे के जल को अलग करता है। सूखी ज़मीन उग आए, आकाश सूरज, चाँद और तारे उगले। तो, "वहाँ रहने दो।" भगवान एक आदेश देता है। "और भगवान ने कहा," एक घोषणा है और फिर एक आदेश है - "वहाँ रहने दो।" "उजाला होने दो" और फिर आगे क्या? तभी **पूर्णता है**। भगवान ने कहा, " प्रकाश हो और प्रकाश हो गया।" भगवान ने कहा कि x होने दो, यह इसे रखने का एक और तरीका हो सकता है। एक्स बहुत अवैयक्तिक लगता है, बीजगणित कक्षा जैसा लगता है। लेकिन फिर भी, "वहाँ x हो और वहाँ x था।" दिन कोई भी हो, छह दिन होते थे। तब भगवान अपने कार्य का मूल्यांकन स्वयं करते हैं। यह रोचक है। क्या ईश्वर अपने कार्य का मूल्यांकन स्वयं करता है? इसे बनाने के बाद, क्या वह पीछे मुड़कर देखता है और इसका मूल्यांकन करता है? वह इसका **मूल्यांकन करता है** - "और भगवान ने देखा कि यह (प्रकाश, सूर्य, चंद्रमा और सितारे) जिस पर भी वह काम कर रहा था, भगवान उसके काम का मूल्यांकन करता है -" और उसने देखा कि यह अच्छा था। फिर दिन का अंत है। " और शाम थी और सुबह का दिन था--क्या? दिन 1, 2, 3, 4, 5, 6, या 7. सातवें दिन, भगवान ने विश्राम किया। और सातवें दिन परमेश्वर ने दृष्टि की, और जो कुछ उस ने बनाया था, वह क्या है? बहुत अच्छा (*to v me'od*) "यह बहुत अच्छा था।" तो अंत में भगवान पूरी चीज़ पर विचार करते हैं। यह बहुत अच्छा है। क्या आपको यह पैटर्न हर दिन बार-बार देखना याद है? तो यह एक प्रकार की साहित्यिक संरचना है जिसमें प्रत्येक दिन को शामिल किया जाता है और इसके संगठन को देखना उपयोगी होता है। इसे फ़िएट और फ़ुलफ़िलमेंट पैटर्न कहा जाता है।

जी. समानांतर दिन पैटर्न [18:55-21:58]

अब अगला वास्तव में यह है कि मैं उत्पत्ति के दिनों को कैसे याद करता हूँ। अगर मैं आपसे पूछूँ कि पांचवें दिन क्या था, तो क्या आप ऐसे ही जान लेंगे कि पांचवें दिन क्या था? क्या आप जानते हैं कि चौथे दिन क्या किया गया? मुझे यह इस प्रकार याद है: पहले दिन क्या बनाया गया था? "ठीक है," उन्होंने पहले दिन कहा, "उजाला होने दो"। अब मनुष्य की रचना किस दिन हुई? छह। यदि आप पहला और छठा दिन जानते हैं तो आपको बाकी सभी दिन मिल जाते हैं। दूसरे पैटर्न में मैं आपको दिखाऊंगा कि यह कैसे करना है। भजन

अध्याय 33, श्लोक 6 कहता है: "प्रभु के वचन से, संसार का निर्माण हुआ" और इसलिए यह परमेश्वर के वचन की शक्ति के बारे में बात कर रहा है। यह बोला गया शब्द है, जो चीज़ों को अस्तित्व में लाता है। भजन संहिता 33:6 और 9 में उसके मुख के वचन द्वारा सृष्टि का वर्णन किया गया है। तो भगवान ने बोलना बनाया और फिएट-फुलफ़िलमेंट पैटर्न के साथ यह एक दिलचस्प चीज़ है।

अब, यहाँ समानांतर दिवस योजना है। अब यह वास्तव में साफ-सुथरा है और किसी भी तरह से चकित न हो जाए। यह काफी आसान है। पहले दिन "भगवान ने कहा कि प्रकाश हो, प्रकाश था।" समानांतर दिन में, चौथे दिन, वह क्या बनाता है? प्रकाश वाहक. प्रकाश वाहक का उदाहरण क्या होगा? सूरज, चाँद और तारे. तो पहले दिन वह प्रकाश बनाता है, चौथे दिन वह प्रकाश वाहक बनाता है।

दूसरे दिन वह ऊपर के पानी को नीचे के पानी से अलग करता है। अब नीचे का पानी क्या है? महासागर. ऊपर पानी क्या है? बादल. इस प्रकार वह ऊपर के जल को और नीचे के जल को अलग कर देता है। पांचवें दिन वह मछलियाँ और पक्षी बनाता है। मछली कहाँ निवास करती थी? नीचे पानी. पक्षी कहाँ निवास करते थे? ऊपर पानी. तो आपको ऊपर के पानी में और नीचे के पानी में पक्षी और मछलियाँ मिल गईं।

तीसरे दिन वह सूखी भूमि को बनाता है और छठे दिन वह सूखी भूमि के निवासियों को बनाता है। शुष्क भूमि के कुछ निवासी कौन हैं? हम, लोग. इसलिए वह लोगों और ज़मीन के जानवरों को बनाता है। वह छठे दिन भूमि का बिचड़ा बनाता है। तो, वैसे, यदि आप जानते हैं कि मनुष्य और भूमि जीव 6वें दिन बनते हैं और 1 दिन का प्रकाश होता है। क्या आप जानते हैं कि चौथा दिन कौन सा है? हाँ, यह प्रकाश वाहक है। यदि आप जानते हैं कि दिन 6 वह भूमि को खड्ड बनाता है, तो आप जानते हैं कि दिन 3 क्या है, सूखी भूमि। और फिर बीच में आपके पास क्या है? ऊपर जल और नीचे जल, मछलियाँ और पक्षी। क्या आप देखते हैं कि यह सब कैसे काम करता है? मुझे आशा है कि मैं यहां सिर्फ सपना नहीं देख रहा हूँ क्योंकि इससे यह वास्तव में आसान हो जाता है। यदि आप पहले और आखिरी दिन को जानते हैं, तो आप इसके बाकी हिस्से का पुनर्निर्माण कर सकते हैं।

वैसे, मैंने कौन सा दिन छोड़ा? सब्त के दिन, परमेश्वर ने विश्राम किया। प्रश्न, क्या भगवान ने थके होने के कारण विश्राम किया? नहीं, उसने आराम किया और इसलिए शब्बत की स्थापना की गई, सिर्फ इसलिए नहीं कि वह व्यक्तिगत रूप से थका हुआ था, बल्कि भगवान चीजों पर विचार करता है।

एच. बनाना और भरना [21:59-23:14]

अब एक और बात जो मुझे इस चार्ट के बारे में बतानी है: उत्पत्ति में, क्या आप लोगों को उत्पत्ति 1:2 याद है? “और पृथ्वी अन्धियारी थी,” और मैं कैसे कहूं, सब कुछ निराकार और खाली था। क्या आपको याद है कि पृथ्वी निराकार और खाली थी और अंधकार *तोहु था वावोहु*। दुनिया "निराकार और खाली" थी, क्या आप देखते हैं कि ये दिन क्या करते हैं? 1, 2 और 3 दिन - ये गठन के दिन हैं। दूसरे शब्दों में, पृथ्वी निराकार और खाली थी और भगवान क्या करता है? वह निराकार आकार लेता है और वह उसे बनाता है जो निराकार था। फिर वह क्या करता है? वह उसे भरता है जो खाली था। तो ये पहले तीन दिन बनने के दिन हैं और दूसरे तीन दिन भरने के दिन हैं। तो जो निराकार था, वह आकार लेता है, आकार लेता है; और जो खाली था वह भर जाता है।

वैसे, मनुष्यों के साथ भी, वह मनुष्यों से कहते हैं कि हमें "फलदायी और बहुगुणित" होना है। हमें पृथ्वी के साथ क्या करना है? धरती को भर दो. तो आपको सृजन खाते में यह गठन और भरना मिलता है। मैं नहीं जानता लेकिन इससे मुझे पूरी चीज़ को एक साथ रखने में मदद मिलती है। यदि मैं पहले दिन और छठे दिन को जानता हूं तो मुझे बाकी सब मिल गया है। तो यह सृष्टि के छह दिनों की समानांतर दिन संरचना है।

I. मनुष्य में ईश्वर की छवि [23:15-31:57]

अब, आइए आगे बढ़ें और मैं आगे जो करना चाहता हूं वह मनुष्य में भगवान की छवि के बारे में बात करना है। इसलिए हम मनुष्य में ईश्वर की छवि पर इस प्रकार के प्रश्नों से शुरुआत करना चाहते हैं। मानव होने का क्या मतलब है? क्या ये आज एक बड़ा सवाल है? क्या आप लोग अपने जीवनकाल में इस बड़े समय का सामना करने जा रहे हैं? मैं बस यह समझाना चाहता हूं कि ऐसा कैसे होगा कि यह आपके लिए एक प्रमुख प्रश्न बन जाएगा।

सबसे पहले, क्या मनुष्य एक या दो भागों या तीन भागों वाला है? क्या यह मनुष्य, शरीर, आत्मा और आत्मा है? या यह सिर्फ शरीर, आत्मा/आत्मा है? या कुछ लोग बस इतना कहते हैं कि आप केवल शरीर हैं। आप बस अपना मस्तिष्क हैं, बस इतना ही। आप सभी अपना भौतिक शरीर हैं। तो फिर इंसान क्या है? हम कैसे बने हैं? मनुष्य जानवरों से किस प्रकार भिन्न हैं? आज हमारे पास कुछ लोग हैं जो कहते हैं: जानवरों को बचाओ, सभी लोगों को मार डालो। हाँ, कुछ लोगों को जानवर वास्तव में लोगों से अधिक महत्वपूर्ण लगते हैं। हमारे पास कुछ समूह हैं, मुझे हमेशा पेटा से प्रोत्साहन मिलता है। मैं हमेशा लोगों को बताता हूँ कि मैं पेटा का सदस्य हूँ; मैं एक ऐसा व्यक्ति हूँ जो स्वादिष्ट जानवर खाता हूँ। यह आम तौर पर आपमें से कुछ लोगों पर बहुत अच्छा नहीं लगता, लेकिन फिर भी। क्लोनिंग कैसे फिट बैठती है? क्या वे अब आपकी कुछ कोशिकाएँ ले सकते हैं और वास्तव में आपकी कुछ और कोशिकाएँ बना सकते हैं? क्या आपको याद है कि उन्होंने भेड़ के साथ ऐसा किया था? डॉली। यदि वे किसी व्यक्ति के साथ ऐसा करते हैं तो क्या होता है? क्या वह वास्तव में आप ही हैं या यदि आपका क्लोन बनाया गया है तो वह वास्तव में कोई अलग है। उस समय इंसान होने का क्या मतलब है और आपके होने का क्या मतलब है?

साइबोर्ग--क्या मनुष्य को अन्य स्थानों से अधिक हिस्से मिल रहे हैं? दूसरे शब्दों में कहें तो अचानक क्या हुआ कि पीटर स्टाइन को दान में मिली किडनी मिल गई। क्या लोग दूसरे व्यक्ति को किडनी दान करते हैं? अब आप घूम रहे हैं और आपके पास किसी दूसरे व्यक्ति की किडनी है। क्या वह आप हैं या वे? आपके पास क्या है? अब लोगों के बीच हृदय प्रत्यारोपित किए जा रहे हैं। लिवर्स, आप स्टीव जॉब्स के बारे में सोचते हैं, मुझे बताया गया था और मुझे नहीं पता कि क्या यह सच है कि उन्हें अग्राशय का कैंसर है। यह सचमुच, कुछ ज्यादा ही है। अग्राशय कैंसर घातक है। लेकिन क्या जॉब्स को लीवर मिला, क्या कोई जानता है? मुझे लगता है कि उसे लीवर मिल गया है ना? और लीवर ट्रांसप्लांट किया गया। क्या यह वाकई बहुत अच्छी बात है कि उन्होंने लीवर का प्रत्यारोपण किया। एक अर्थ में, वे किसी और का हृदय आपमें प्रत्यारोपित करते हैं, क्या वह वास्तव में आप ही हैं? मेरी पत्नी इस समस्या का सामना करती है, मैं उसे अपनी बायोनिक् महिला कहता हूँ। उसने अभी-अभी

एक घुटना डलवाया है इसलिए वह अब एक टाइटेनियम महिला है। उसे यह टाइटेनियम घुटना मिला है। इसलिए जब वह आपको लात मारना चाहे तो आपको दूर रहना होगा। उसका टखना टूट गया, इसलिए उसके पैर में कुछ प्लेटें और कुछ स्क्रू लगे हैं। इसलिए वहां उसके कुछ पेंच हमेशा ढीले रहते हैं। मैं अपनी पत्नी के साथ हवाई अड्डे पर जाता हूं और स्कैनर से गुजरता हूं और क्या होता है? अपनी सारी धातु उतार दो। अब हम हवाई अड्डे पर नहीं जाते क्योंकि वहां जाने पर आपके साथ जिस तरह से छेड़छाड़ की जाती है। वैसे, मैं कहता हूं और आप लोग हंसते हैं, यह कोई हंसने वाली बात नहीं है। मेरे बेटे की 25 साल की पत्नी है, 25 साल की। जब भी वे एयरपोर्ट जाते हैं तो हर बार उनका नंबर आ जाता है। क्या इससे आपको कोई सुराग मिलता है? क्या इससे आपको गुस्सा आता है? मेरा बेटा वास्तव में अपनी बहन की शादी में शामिल होने के लिए 22 घंटे पहले ही गाड़ी चला रहा था ताकि उसकी पत्नी को हवाई अड्डे पर चेक-आउट न करवाना पड़े। मुझे नहीं पता। मैं बस इतना कह रहा हूं कि टीएसए अब जो कुछ कर रहा है वह वास्तव में मुझे परेशान करता है। वे इसे सुरक्षा के नाम पर करते हैं लेकिन यह बहुत बुरी चीज़ है।

मुझे आध्यात्मिक मशीनों के बारे में बात करने दीजिए। तो मैं जो कह रहा हूं वह यह है कि क्या लोगों के शरीर के अंगों की अदला-बदली संभव है? विभिन्न पैर के हिस्से और बांह के हिस्से और इस तरह की चीज़ें। वैसे क्या यह अच्छा है? हाँ, यह कुछ लोगों के लिए अच्छा है। मेरा मतलब है, कुछ लोगों के पैर उड़ गए हैं और उन्हें वापस जोड़ दिया गया है। आध्यात्मिक मशीनों के बारे में क्या? क्या आप मूर के नियम के बारे में कुछ जानते हैं? मूर का नियम मूल रूप से यही कहता है: कि कंप्यूटर की बुद्धि हर 18 से 24 महीने में दोगुनी हो जाती है। ऐसा लगता है कि हर 2 साल में कंप्यूटर की बुद्धि दोगुनी हो जाती है। मैं चाहता हूं कि आप इसके बारे में सोचें। अब जब मैं गृह युद्ध के ठीक बाद हाई स्कूल में था, उनके पास एक कंप्यूटर था और हमारा पहला स्कूल कंप्यूटर इतना बड़ा था। यह बहुत बड़ा था और इसमें दो मेमोरी इकाइयाँ थीं। तो आपने $A^2 + B^2 = C^2$ किया, आप A^2 कर सकते थे, आप B^2 कर सकते थे लेकिन आपके पास C^2 लगाने के लिए कोई तीसरा स्थान नहीं था। इसमें दो मेमोरी यूनिट थे और होल कंप्यूटर की कीमत 5000 डॉलर थी। अब क्या हुआ? 18 से 24 महीने में यह 2

से क्या हो गया? 4. फिर यह 4 से क्या हो गया? 8. फिर 8 से 16, 16 से 32, 32 से 64 और फिर अचानक ऊपर जाने लगता है। तो कुछ समय के बाद क्या होता है? अब यह एक मेगाबाइट तक जाता है, यह 2 मेगाबाइट तक जाता है, यह 4 मेगाबाइट तक जाता है, 16, और अब अचानक हम क्या कर रहे हैं? गीगाबाइट और यह 1 गीगाबाइट से 2 गीगाबाइट, 4 गीगाबाइट, 4 से 8, 16, से 32 तक चला जाता है। और अब हमें टेराबाइट्स मिलते हैं। एक टेराबाइट 2 टेराबाइट्स, 4 टेराबाइट्स में बदल जाता है और हर 18 महीने में इसकी बुद्धि दोगुनी हो जाती है।

प्रश्न, क्या कोई कंप्यूटर किसी इंसान के साथ शतरंज खेल सकता है? क्या कोई कंप्यूटर जीत सकता है? हाँ, इसलिए वे शतरंज में जीतने के लिए कंप्यूटर प्रोग्राम कर सकते हैं। कंप्यूटर अधिकाधिक स्मार्ट होता जा रहा है; क्या यह तुम लोगों की तुलना में अधिक तेजी से होशियार हो रहा है? हाँ। तो एमआईटी में रे कुर्ज़वील जो कह रहे हैं वह यह है कि यहां यह सामान कार्बन है। यह कार्बन है और यह सामान यहाँ केवल बहुत अच्छी तरह से काम करता है। कंप्यूटर की बुद्धिमत्ता दोगुनी होती जा रही है और उनका सुझाव यह है कि 2025 तक कंप्यूटर आप लोगों से अधिक स्मार्ट हो जाएंगे। मैं तो मर जाऊंगा, लेकिन यह तुम लोगों से ज्यादा होशियार होगा। क्यों? एक कंप्यूटर की बुद्धि हर समय दोगुनी हो जाती है। वह जो कह रहा है वह यह है कि कार्बन इतिहास है। वह जो कह रहा है वह यह है कि भविष्य सिलिकॉन है। क्या होने वाला है कि 2020 या 2025 तक कंप्यूटर खुफिया जानकारी में हमसे आगे निकल जाएंगे। आप लोग जीवित रहेंगे, यह क्या है? अब से 10 से 15 साल बाद इस तरह की चीजें होने वाली हैं। क्या आपके पास पहले से ही ऐसे रोबोट हैं जिनसे आप बात कर सकते हैं और गतिविधियाँ करने के लिए कह सकते हैं? अब क्या वे वास्तव में इस बिंदु पर बहुत मूर्ख हैं? हाँ, और वह यही कहता है, वे मच्छर की बुद्धि के बारे में हैं। लेकिन इससे उन्हें क्या फ़ायदा ? हर दो साल में वे दोगुने हो जाते हैं। क्या आप देखते हैं कि यह कहाँ जा रहा है? आखिरकार, क्या हमारे पास संभवतः रोबोट के रूप में कंप्यूटर होगा जो आपसे खुली बातचीत करने में सक्षम होगा? असल में क्या वे आपसे ज्यादा होशियार होंगे? यहीं हम जा रहे हैं। तो फिर इंसान होने का क्या मतलब है जब आपके पास एक ऐसी

मशीन है जो इंसान से भी ज्यादा स्मार्ट है? मानव होने का क्या मतलब है?

इसलिए हम तकनीकी परिदृश्य को देखते हैं और कहते हैं, “वाह, कुछ बहुत बड़ी चीज़ें हो रही हैं। अब इस बारे में शास्त्र क्या कहता है। यह वह श्लोक है जो यह समझने के लिए महत्वपूर्ण है कि मानव होने का क्या अर्थ है। उत्पत्ति अध्याय एक में जब परमेश्वर मनुष्य बनाता है तो वह यही कहता है। यह एक बड़ा श्लोक है जो बहुत ही सार्थक और अर्थपूर्ण है। भगवान कहते हैं, “आओ हम,” क्या वह कहते हैं “आओ मुझे” मनुष्य बनाएं? नहीं। वह कहते हैं, “आइए हम मनुष्य को अपनी छवि और अपनी समानता में बनाएं। और उन्हें” क्या करने दें? “नियम।” तो क्या मनुष्य शासन करने के लिए बना है? “वे समुद्र की मछलियों, और आकाश के पक्षियों, और घरेलू पशुओं, और सारी पृथ्वी पर, और भूमि पर रेंगनेवाले सब प्राणियों पर प्रभुता करें। इसलिये परमेश्वर ने मनुष्य को अपने स्वरूप के अनुसार उत्पन्न किया। परमेश्वर ने अपने स्वरूप के अनुसार उसे उत्पन्न किया, नर और नारी करके उसने उन्हें उत्पन्न किया।” मनुष्य भगवान की छवि में बनाया गया है। क्या जानवर भगवान की छवि में बनाये गये हैं? नहीं, केवल मनुष्य ही परमेश्वर की छवि में बनाया गया है।

जे. मानव जाति में भगवान की छवि के 4 पहलू [31:58-41:45]

तो फिर सवाल यह है कि भगवान की छवि का क्या मतलब है? क्या है वह? इसलिए मैं भगवान की इस छवि के चार पहलुओं से गुज़रना चाहता हूँ। ये पहलू संयुक्त हैं और वे परस्पर अनन्य नहीं हैं, वे ओवरलैप करते हैं। लेकिन भगवान की छवि के सिर्फ चार पहलू। पहले मुझे उनमें से चार के बारे में जानने दीजिए, फिर हम उन पर विस्तार से चर्चा करेंगे। सबसे पहले, मनुष्य में **आध्यात्मिक और नैतिक गुण होते हैं**। मनुष्य में आध्यात्मिक एवं नैतिक गुण होते हैं। हमारे वहां पहुंचने से ठीक पहले येलोस्टोन पार्क में एक भूरा भालू था। भूरा भालू इंसान को खा जाता है, इंसान को मार डालता है। क्या वह भूरा भालू अनैतिक है? ग्रिजली भालू सैल्मन खाता है, क्या ग्रिजली भालू अनैतिक है? क्या ग्रिजली भालू सामान खाते हैं? क्या वे यही करते हैं? यह नैतिक है या अनैतिक? ग्रिजली भालू यही करते हैं। यह एक अच्छी प्रतिक्रिया है, यह नैतिक है। यह नैतिक नहीं है। दूसरे शब्दों में, यह उस श्रेणी में काम नहीं करता है। एक ग्रिजली भालू, आप एक ग्रिजली भालू को व्याख्यान देकर उसे जेल में

नहीं डाल सकते और यह नहीं कह सकते कि इस आदमी को खाने के लिए आप पांच साल के लिए जेल जा रहे हैं। मेरा इरादा इस पर प्रकाश डालने का नहीं है। जाहिर तौर पर उस आदमी को मार दिया गया और उसकी पत्नी को बचा लिया गया और यह वाकई बहुत बुरा है। लेकिन प्रश्न: क्या आप किसी जानवर के साथ व्यवहार कर रहे हैं? जानवर को सही-गलत का एहसास नहीं होता। जैसा कि उन्होंने कहा, यह अनैतिक है।

अब अगर कोई इंसान किसी को खा जाता है. क्या यही समस्या है? क्या वह मुझे इस तरह मारेंगे कि "यह एक अनैतिक कार्य था"? अब हम कहेंगे कि यह अनैतिक है. क्या हम लोगों को खाते हैं? यदि आप लोगों को खाते हैं तो क्या यह कोई समस्या है? ये एक समस्या है। अब वैसे, क्या नैतिकता में भी कोई अंतर है, क्या कोई किसी को खा जाए तो हम कहते हैं कि यह एक समस्या है।

क्या नैतिकता के विभिन्न स्तर हैं? उदाहरण के लिए, जब मेरा बेटा छोटा था, तो उसे चाइल्ड ऑफ इवेंजेलिज्म फेलोशिप के साथ बाइबल अध्ययन के लिए जाना था। वे पड़ोस में बाइबल अध्ययन कर रहे थे। मैं घर आया, मेरा बेटा पड़ोस में अपनी बाइक चला रहा था और मैं एक अलग तरीके से आया। इसलिए उसे नहीं पता था कि मैं कहाँ से आ रहा हूँ। वह घर पहुँचता है और मैं कहता हूँ, "अरे, सुसमाचार प्रचार का बच्चा कैसा था?" वह कहता है, "ओह, हाँ, यह बहुत अच्छा था पिताजी।" मैं कहता हूँ, "ओह सचमुच? उन्होंने किस तरह की कहानी सुनाई?" और आप उसे इस तरह अपनी आँखें घुमाते हुए देखते हैं। "यह नूह और जलप्रलय, नूह और जलप्रलय था।" तो वह मुझे नूह और जलप्रलय के बारे में बताने लगा। वह यह कहानी बनाता है। क्या मेरे बेटे ने मुझसे झूठ बोला? असल में, क्या मेरे सभी बच्चों ने मुझसे झूठ बोला है? आपके साथ ईमानदार होने के लिए, हाँ। इसलिए मैंने अपने बेटे को मुझसे झूठ बोलते हुए पकड़ लिया। क्या यह नरभक्षण के समान स्तर पर है? क्या आप कहेंगे, यह थोड़ा अलग है। कुछ लोग कहते हैं: सभी पाप एक जैसे हैं। ठीक है, तो आप पहले नरभक्षियों के पास जा सकते हैं क्योंकि अगर वे सभी एक जैसे हैं तो आपको इससे कोई समस्या नहीं होनी चाहिए। लेकिन मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि , आप जानते हैं कि मेरा बेटा मुझसे इस तरह झूठ बोलता है, क्या यह गलत है कि मेरे बेटे ने मुझसे झूठ

बोला? हाँ। ऐसी कुछ चीजें हैं जिनसे आपको निपटना है लेकिन क्या यह किसी को खाने से अलग है ? मैं कहूंगा कि वहां कुछ मतभेद हैं इसलिए आपको सावधान और समझदार रहना होगा।

[छात्र बोलता है] वह कह रही है कि वे सभी एक जैसे हैं लेकिन परिणाम अलग-अलग हैं और मैं कहना चाहता हूं, नहीं। हाँ, परिणाम निश्चित रूप से भिन्न हैं। वह सही कहती हैं कि परिणाम अलग-अलग होते हैं। हाँ, परिणाम बड़े पैमाने पर भिन्न हैं। लेकिन मैं ये भी कहना चाहता हूं. दूसरे शब्दों में, यदि कोई बाइबल अध्ययन में भाग लेने के बारे में झूठ बोल रहा है तो क्या आपके भीतर एक अलग प्रतिक्रिया नहीं है। मैं जो कह रहा हूं वह यह है कि उस पर काबू पाओ। हाँ, वे दोनों पाप हैं. सबसे पहले, वे दोनों पाप हैं और यही वे एक ही हैं कि वे दोनों पाप हैं। लेकिन मैं भेद करना चाहता हूं, कैसे कहूं; क्या आपका पेट आपको नहीं बताता कि नरभक्षण मेरे बेटे द्वारा मुझसे झूठ बोलने से भी बदतर है? आपकी अंतरात्मा को इस बारे में आपको कुछ बताना चाहिए और यदि ऐसा नहीं होता है, तो जब आप मुझे नीचे ले जाएंगे तो मुझे नमक और काली मिर्च चाहिए होगी। वैसे भी, क्षमा करें... इसलिए इस पर एक बड़ी बहस है और हम इस पर काम करेंगे।

अब हाँ। (छात्र बोलता है) हां, और वह इसी बात पर जोर दे रही होगी कि सभी पाप एक जैसे हैं। लेकिन मैं जो कह रहा हूं वह यह है कि आप अलग-अलग पापों पर लोगों और भगवान की ओर से अलग-अलग प्रतिक्रियाएं देखेंगे। दूसरे शब्दों में, क्या भगवान वास्तव में कुछ पापों बनाम अन्य पापों से निराश हो जायेंगे। वैसे, वे सभी पाप हैं और वे सभी पाप हैं जो आपको नरक में ले जा सकते हैं, ऐसा कहा जा सकता है। लेकिन क्या ईश्वर की प्रतिक्रिया उनमें से कुछ से भिन्न है, जब हम पुराने नियम से गुजरते हैं तो आप कुछ पापों के लिए एक वास्तविक मजबूत प्रतिक्रिया देखेंगे और दूसरों के लिए नहीं। मैं उस पर काबू पाने की कोशिश करना चाहता हूं। मैं इसे समझने की कोशिश करना चाहता हूं ताकि मैं ईश्वर को बेहतर ढंग से समझ सकूं, लेकिन उत्कृष्ट बात है।

अब **रिलेशनल का** सीधा सा मतलब है कि भगवान की छवि का वह हिस्सा रिलेशनल है। कि "आइए हम मनुष्य को अपनी छवि में बनाएं;" वहां बहुलता है और

इसलिए छवि का एक हिस्सा संबंधपरक है।

प्रभुत्व और शासन, कि भगवान की छवि का हमारे साथ कुछ लेना-देना है क्योंकि मनुष्य पृथ्वी पर शासन करते हैं और **प्रभुत्व रखते हैं। हम उस नियम पहलू को देखना चाहते हैं और यह कैसे काम करता है।** वैसे, क्या आप इसका विकृत रूप देख सकते हैं कि लोग शासन करते हैं? क्या लोग दूसरे लोगों पर शासन करने का प्रयास करते हैं? क्या सत्ता भ्रष्ट करती है? पूर्ण शक्ति पूर्णतया भ्रष्ट कर देती है। तो आपके पास यहां जो कुछ है वह मानव जाति है, पापी मानव जाति है, इस नियम को ले रही है और हावी होने के लिए इसका उपयोग करने की कोशिश कर रही है और यह एक वास्तविक समस्या है।

इसे आप लोगों को बेचने में मुझे सबसे अधिक कठिनाई होगी। मैं जो सुझाव देने का प्रयास करने जा रहा हूं वह यह है कि **हम वास्तव में शारीरिक रूप से भगवान की तरह दिखते हैं**। ईश्वर में भौतिकता है और हम ईश्वर जैसे दिखते हैं। आप कहते हैं, " हिल्डेब्रांट, क्या ईश्वर एक गंजा बूढ़ा आदमी है?" नहीं, हम भगवान की तरह दिखते हैं, मैं यह कहने की कोशिश करने जा रहा हूं कि जहां तक हमारी मानवता है, बूढ़े और मोटे होने की बात नहीं है। अब आइए इसके माध्यम से काम करें। आध्यात्मिक गुण--नैतिक विकल्प चुनने की क्षमता। मानव जाति भगवान की छवि में बनाई गई है। उसे नैतिक विकल्प चुनने की क्षमता दी जाती है। जानवर वे नैतिक विकल्प नहीं चुनते जिन्हें हम जानते हैं कि मनुष्य चुनने में सक्षम है। हमें इसका प्रमाण कहां मिलेगा? हम न्यू टेस्टामेंट में जाते हैं और यह वास्तव में काफी दिलचस्प है। नए नियम में कुलुस्सियों की पुस्तक इफिसियों की पुस्तक के समानान्तर है। नए नियम में कुलुस्सियों और इफिसियों के बीच बहुत अधिक समानता है। तो हमें कुलुस्सियों 3:10 और इफिसियों 4:24 के बीच एक समानांतर मार्ग मिला है। यह कहता है: "और नये मनुष्यत्व को पहिन लिया है, जो अपने रचयिता के स्वरूप में ज्ञान के द्वारा नवीकृत होता जाता है।" इसके निर्माता की छवि में, इसे किस रूप में नवीनीकृत किया जा रहा है? "ज्ञान में," क्या मनुष्य में जानने की क्षमता है? हमारे पास जानने की क्षमता है और हम मसीह की छवि में नवीनीकृत हो रहे हैं। क्या आप देख रहे हैं कि यहाँ क्या हो रहा है? क्या छवि को नवीनीकृत करने की आवश्यकता है? छवि गिरावट में क्षतिग्रस्त हो गई थी

और फिर छवि को नवीनीकृत करने की आवश्यकता है। यहाँ इफिसियों में यह कहा गया है: "और नये मनुष्यत्व को पहिन लो, और परमेश्वर के समान सृजा गया।" हम भगवान की तरह बनने के लिए बनाए गए हैं। हम परमेश्वर के समान कैसे हैं?—“सच्ची धार्मिकता और पवित्रता में।” क्या मनुष्य पवित्र हो सकते हैं? सबसे पहले मुझे इसे इस प्रकार कहना चाहिए: ईश्वर पवित्र है? "पवित्र, पवित्र, पवित्र प्रभु परमेश्वर सर्वशक्तिमान है।" भगवान पवित्र है। क्या मनुष्य में पवित्र होने की क्षमता है? हाँ। परमेश्वर कहते हैं, “पवित्र बनो, क्योंकि मैं यहोवा, तुम्हारा परमेश्वर पवित्र हूँ।” धार्मिकता दुष्टता का विरोध करती है। क्या मनुष्य नैतिक प्राणी हैं? उनमें धार्मिकता की क्षमता है; क्या उनमें भी दुष्टता की क्षमता है? इसलिए वह कह रहा है कि मसीह की छवि में नवीनीकृत हो जाओ। मसीह की छवि "सच्चे ज्ञान, धार्मिकता और पवित्रता में" भगवान की तरह बनाई गई है। मेरा मानना है कि स्वीकारोक्ति में ऐसा ही है। तो यहीं हमें पता चलता है कि मूलतः एक आध्यात्मिक-नैतिक पहलू है। मनुष्य को आध्यात्मिक और नैतिक रूप से भगवान की तरह बनाया गया है: हम जान सकते हैं, हम धर्मी या अधर्मी हो सकते हैं, हम पवित्र हो सकते हैं, और हम अपवित्र हो सकते हैं। लेकिन हमारे पास पवित्र, धर्मी होने और जानने की क्षमता है। तो यह इन श्लोकों पर आधारित छवि का नैतिक पक्ष है।

अब, जब पतन हुआ, जब आदम और हव्वा पाप में गिरे तो क्या हुआ। क्या हमने ईश्वर की छवि खो दी? जेम्स हमें बताता है - नहीं, लेकिन छवि खराब हो सकती है। छवि खराब हो सकती है लेकिन हमने इसे पूरी तरह से नहीं खोया है। इसलिए याकूब 3:9 कहता है: "जीभ से हम अपने प्रभु और पिता की स्तुति करते हैं और उसी से उन मनुष्यों को शाप देते हैं जो परमेश्वर की समानता में बने हैं।" जेम्स कह रहे हैं: मनुष्य अभी भी भगवान की समानता में बने हैं इसलिए आपको उन्हें शाप नहीं देना चाहिए क्योंकि वे भगवान की समानता और भगवान की छवि में बने हैं। क्या इसका मतलब यह है कि इस वर्ग में हर कोई भगवान की छवि में बना है? हाँ। तो क्या इसका असर इस बात पर पड़ेगा कि हम एक-दूसरे के साथ कैसा व्यवहार करते हैं? हाँ। क्या इससे इस बात पर प्रभाव पड़ता है कि मैं आपके साथ ईश्वर के स्वरूप में बने विद्यार्थियों के रूप में कैसा व्यवहार करता हूँ? हाँ। क्या इससे

इस बात पर प्रभाव पड़ता है कि आप मेरे साथ परमेश्वर के स्वरूप में बना हुआ कैसा व्यवहार करते हैं? इसका प्रभाव इस बात पर पड़ना चाहिए कि आप इसके जवाब में लोगों के साथ कैसा व्यवहार करते हैं। लोग अभी भी भगवान की छवि में बने हैं लेकिन यह विकृत है और इसके निहितार्थ हैं। हम निहितार्थों के बारे में बाद में बात करेंगे।

के. भगवान की छवि का संबंधपरक पहलू [41:46-49:46]

अब, ईश्वर की छवि का दूसरा पहलू ईश्वर की छवि का "हम-पन" है। इसका "हम-पन" या इसका **संबंधपरक पहलू** यह है कि "आइए हम मनुष्य को अपनी छवि में बनाएं।" "हम" एकवचन है या बहुवचन? बहुवचन। "आइए हम मनुष्य को अपनी छवि में बनाएं।" इसलिए हम परमेश्वर की छवि में "हम" के रूप में बने हैं। मनुष्य का निर्माण संबंधों के लिए हुआ है और इसलिए आप उस बहुलता को कैसे समझते हैं "आइए हम मनुष्य को अपनी छवि में बनाएं"?

आप इसे विभिन्न तरीकों से समझ सकते हैं और यह उनमें से कुछ तरीकों से गुजरता है। मैं महिमा के बहुवचन से शुरुआत करना चाहता हूँ। क्या आपकी माँ ने कभी आपसे यह कहा था: "हमने निर्णय लिया है कि तुम्हें इस स्थान पर नहीं जाना चाहिए।" "हमने फैसला कर लिया है" और धारणा यह है कि यह पिता और मां ने फैसला किया है, लेकिन यह वास्तव में मां ही फैसला कर रही है और वह कहती है, "हमने फैसला कर लिया है।" लेकिन क्या वह ऐसा इसलिए कह पाती है क्योंकि वह माँ है और इसका तात्पर्य यह है कि इसमें पिता भी शामिल है। जब राजा कहता है: "हमने फैसला कर लिया है," तो क्या वास्तव में राजा ही निर्णय ले रहा है, लेकिन क्या राजा को "हम" का उपयोग करने का मौका मिलता है और हम इसे "शाही हम" कहते हैं? क्या राजा को ऐसा करने का अधिकार है? हाँ। यह उस राजा की तरह है जब वह कहता है, "हमने फैसला कर लिया है," यह वास्तव में सिर्फ वह है लेकिन वह राजा है। हिब्रू में उन्हें महिमा का बहुवचन कहा जाता है। अंग्रेजी में हमें एकवचन मिला है जिसका मतलब है कि आपको एक आइटम मिला है। बहुवचन का मतलब क्या है? दो या अधिक। तो हम असाइन करने के लिए बहुलता का उपयोग करते हैं? यह किसी चीज़ की संख्या है, चाहे वह एकवचन हो या बहुवचन, एकाधिक संख्याएँ। हिब्रू में,

वे एकवचन और बहुवचन करते हैं लेकिन वे तब भी होते हैं जब कुछ वास्तव में वास्तव में होता है वास्तव में बड़े, वे बहुवचन का भी उपयोग करते हैं। यह महिमा का बहुवचन है। तो आपके पास क्या होगा? "सामान" और यदि आप यह कहना चाहते हैं कि सामान वास्तव में बहुत बड़ा था तो आप क्या कहेंगे? "सामान।" इसे वैसा बनाने के लिए आपको इस पर "s" लगाना होगा। अब हमारे लिए, जब हम "सामान" कहते हैं तो इसका मतलब कई "सामान" होता है। लेकिन जब वे "सामान" और "सामान" कहते हैं तो उनका वास्तव में मतलब यह हो सकता है कि यह "बड़ा सामान" है। क्षमा करें, मुझे संभवतः यहां एक अलग शब्द का उपयोग करना चाहिए था। लेकिन फिर भी, क्या आप जानते हैं कि मैं महिमा के बहुवचन के साथ क्या कह रहा हूँ? दूसरे शब्दों में, यह इतना बड़ा है कि "आइए हम मनुष्य बनाएं"; ईश्वर का "हम" की तरह बोलना महानता और महिमा का बहुवचन है। यह हिब्रू व्याकरण पर आधारित एक संभावना है कि बहुवचन "आइए हम मनुष्य बनाएं" का उपयोग क्यों किया जाता है।

मुझे लगता है कि यहां कुछ अन्य बेहतर संभावनाएं हैं- "स्वर्गीय न्यायालय।" क्या किसी को यशायाह अध्याय 6 याद है? भगवान अपने स्वर्गीय दरबार में हैं और भगवान सवाल पूछते हैं: "हमारे लिए कौन जाएगा?" वहाँ बहुवचन का प्रयोग होता है। भगवान इन स्वर्गीय प्राणियों से बात कर रहे हैं, "हमारे लिए कौन जाएगा"? यशायाह कहता है: "मैं यहाँ हूँ प्रभु, मुझे भेजो।" क्या किसी को अय्यूब याद है? अय्यूब की पुस्तक के पहले अध्याय में, ईश्वर ऊपर है और वह मूल रूप से कहता है: "क्या तुम लोगों ने मेरे सेवक अय्यूब पर विचार किया है?" और वह स्वर्गीय दरबार में समूह से बात कर रहा है। वहाँ एक "हम" है और "शैतान" कहता है, "ठीक है, अय्यूब अच्छा है लेकिन वह केवल इसलिए अच्छा है क्योंकि आप उसे इन सभी चीज़ों का आशीर्वाद देते हैं। मुझे उसे दूर ले जाने दो और वह तुम्हारे मुँह पर तुम्हें श्राप देगा।" तो यह "हम" स्वर्गीय अदालत का है, क्या इसका कोई मतलब है? "आओ हम मनुष्य को अपने स्वरूप के अनुसार बनाएं," वह ईश्वर स्वर्गीय दरबार में बोल रहा है। मुझे लगता है कि अय्यूब 1 और यशायाह अध्याय 6 दोनों में इसकी पुष्टि है। मैं यहां एक प्लस चिह्न लगाना चाहता हूँ जो दर्शाता है कि मुझे लगता है कि यह दृश्य इस पर अच्छा

प्रभाव डालता है।

अब शायद भगवान खुद से बात कर रहे हैं. क्या आपने कभी खुद से बात की? "हम क्या करने जा रहे हैं?" "क्या हमें यह करना चाहिए या वह? यदि हम ऐसा करेंगे तो ये सभी परिणाम होंगे। यदि हम ऐसा करते हैं, तो ये सभी परिणाम होंगे। काय करते?" क्या आप कभी अपने आप से बात करते हैं? ठीक है, तुम लोग आपस में बातें मत करो। वैसे भी, मैं खुद से बात करता हूँ। तो आप अपने भीतर **आत्म-चिंतन**, "**हमें क्या करना चाहिए**" का **उपयोग कर सकते हैं**। वैसे, क्या बाइबल में बहुत अधिक आत्म-विवेचन है? लगभग कभी नहीं, ईमानदारी से कहूँ तो मैं अभी आपको ऐसा कोई अंश नहीं बता सकता हूँ जहाँ आपको यह मिलता है कि ईश्वर स्वयं से बात कर रहा है। इसलिए मुझे लगता है कि आत्म-विमर्श फर्जी है। यह गलत है। ऐसा पवित्रशास्त्र में कभी-कभार ही होता है इसलिए मुझे नहीं लगता कि आप उस रास्ते पर जाना चाहते हैं।

कुछ लोग कहते हैं कि "आइए हम मनुष्य को अपनी छवि में बनाएं" त्रिमूर्ति है: पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा। यह ईश्वरत्व के बीच एक चर्चा है: पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा। "आइए हम मनुष्य को अपनी छवि में बनाएं" यही त्रिमूर्ति है। बहुत से लोग इसका सुझाव देते हैं और मैं यह कहने के लिए तैयार नहीं हूँ कि यह गलत है, लेकिन मैं आपसे पूछता हूँ: क्या मूसा ने त्रिमूर्ति को समझा होगा? क्या मूसा ने पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा को समझा होगा? वास्तव में, यीशु के समय में, यानी 1400-1200 साल बाद, क्या उन्होंने पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा को समझा? जब यीशु ने कहा कि वह परमेश्वर का पुत्र है, तो क्या वे उसे पत्थर मारकर मार डालना चाहते थे। तो मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि उस समय त्रिमूर्ति को कितनी अच्छी तरह समझा गया था? मुझे नहीं लगता कि मूसा को त्रिमूर्ति के बारे में कोई सुराग था। हां, वह कर सकता था लेकिन समस्या यह है कि यह बात किसी को पता नहीं होती। मान लीजिए कि ईश्वर ने मूसा को त्रिमूर्ति दिखाई, लेकिन जब मूसा पर्वत से नीचे आता है तो उनमें से किसी को भी इसका अंदाज़ा नहीं होगा कि वह किस बारे में बात कर रहा है क्योंकि पुराने नियम में ईश्वर एक है। प्रभु हमारा परमेश्वर एक है और वे वास्तव में इसे आगे बढ़ाते हैं। इसलिए मुझे यकीन नहीं है कि वह त्रिमूर्ति को कितनी अच्छी तरह जानता था। तो

मैं जो कह रहा हूँ वह यह है: क्या मूसा ने इसे बहुत कुछ समझा होगा? वैसे, क्या त्रिमूर्ति का पता लगाने में चर्च को 300 साल लग गए? आरंभिक चर्च वास्तव में त्रिमूर्ति पर संघर्ष करता था। तो मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि मुझे नहीं पता कि मूसा ने "आइए हम मनुष्य को अपनी छवि में बनाएं" त्रिमूर्ति को कितनी अच्छी तरह समझा। यह हो सकता था। मैं इसे खत्म नहीं करना चाहता, लेकिन मैं बस इतना कह रहा हूँ कि मुझे मूसा की जगह पर वापस आना होगा। मैं जो सुझाव देना चाहता हूँ वह यह है कि यदि आप यह कहना शुरू करते हैं कि मूसा ऐसी बातें लिख रहा है जिनके बारे में उसे कोई जानकारी नहीं है, तो आपको इससे सावधान रहना होगा क्योंकि यह संभव है कि उसने जितना वह जानता था उससे बेहतर लिखा है। लेकिन मेरे पास इसके लिए कोई अच्छा कारण होना चाहिए। दूसरे शब्दों में, यदि वह आपको भविष्य में कुछ बता रहा है, तो संभव है कि उसने जितना वह जानता था उससे बेहतर लिखा हो। मैं उस संभावना को खत्म नहीं करना चाहता। मैं सिर्फ यह कह रहा हूँ कि मुझे नहीं लगता कि वह त्रिमूर्ति को समझ पाया है। क्या वह स्वर्गीय दरबार को समझ पाया होगा? हाँ, क्योंकि अन्य संस्कृतियों में भी स्वर्गीय दरबारी विचार थे। इसलिए स्वर्गीय अदालत का विचार मुझे उस ऐतिहासिक ढांचे को देखते हुए अधिक स्वाभाविक लगता है जिसमें वह लिख रहे होंगे।

अब, वैसे, क्या यह संभव है कि यह गलत भी हो। मैं वहां नहीं था, मेरा मतलब है कि मैं बूढ़ा हूँ लेकिन उतना बूढ़ा नहीं हूँ। तो मैं जो कह रहा हूँ वह यह है: मैं वहां नहीं था, मुझे नहीं पता। इसलिए मैं त्रिमूर्ति को रखना चाहता हूँ, लेकिन फिर भी इसे ठंडे बस्ते में डाल देना चाहता हूँ। मैं स्वर्गीय दरबार को आगे लाना चाहता हूँ। लेकिन इनमें से कोई एक विकल्प होगा। क्या हम ऐसा कर सकते हैं, मान लें कि हम नहीं जानते, लेकिन ये दो वैध विकल्प हैं। यह नीचे वाला अंगूठा है, यह यहां संभव है लेकिन मुझे इसमें संदेह है; मुझे लगता है कि यह बहुत विशिष्ट है।

वैसे, क्या "हम" हमें आकार देते हैं? क्या यह "मैं" है या यह "हम" है जो हमें आकार देता है? क्या आपकी संस्कृति यह तय करती है कि आप कौन हैं? क्या आपकी पारिवारिक पृष्ठभूमि यह तय करती है कि आप कौन हैं? किसी को उद्धृत करने के लिए, क्या किसी

व्यक्ति को बनाने के लिए एक गाँव की आवश्यकता होती है? क्या "मैं" बनाने के लिए "हम" की आवश्यकता होती है? तो क्या होता है आपकी पृष्ठभूमि यह तय करती है कि आप कौन हैं। मैं जो कह रहा हूँ, हम संबंधपरक रूप से निर्मित हैं। क्या "हम" "मैं" का निर्माण करता है? एक बार चारों ओर देख लो। आप सभी लोग अलग-अलग क्षेत्रों से हैं। आप सभी अलग-अलग पृष्ठभूमि से आते हैं और प्रत्येक ने आपको अन्य लोगों की तुलना में अलग तरीके से आकार दिया है, जो वास्तव में अच्छा है क्योंकि हम सभी उस अर्थ में अद्वितीय हैं। तो "हम" "मैं" को आकार दे रहा है। इंसान रिश्ते के लिए बना है। मुझे लगता है कि यही वह मुद्दा है जो मैं कहना चाहता हूँ। क्या मनुष्य का निर्माण "हम" संदर्भ के लिए किया गया है? हाँ। हम "हम" संदर्भ से "हम" संदर्भ में बने हैं। इसलिए रिश्ते वास्तव में भगवान की छवि और उसे आकार देने के लिए महत्वपूर्ण हो सकते हैं।

एल. छवि का शासक/डोमिनियन पहलू [49:46-54:48]

अब , इस फैसले के साथ आइए इस पर नजर डालें: भगवान की छवि शासन कर रही है। " आइए हम शासन करने के लिए मनुष्य को अपनी छवि में बनाएं।" पुराने नियम में ईश्वर संप्रभु है। अब अगर मैं "संप्रभु" कहता हूँ, तो "संप्रभु" से मेरा क्या मतलब है? भगवान राजा है। ईश्वर शासन करता है, वह महान राजा है। मैं बस यह कहना चाहता हूँ कि ईश्वर महान राजा है। वह मानवजाति को क्या करने के लिए पृथ्वी पर रखता है? शासन करने के लिए। क्या हम ईश्वर के स्थान पर शासन करते हैं? क्या हम ऐसा चाहते हैं, मुझे जो शब्द चाहिए वह है "वाइस- रीजेंट्स।" "संयुक्त राज्य अमेरिका का राष्ट्रपति संयुक्त राज्य अमेरिका पर शासन करता है लेकिन क्या वह वास्तव में हर चीज़ पर शासन कर सकता है? नहीं, तो आपके पास विभिन्न राज्यों में राज्यपाल शासन कर रहे हैं। वैसे, क्या लगभग सभी महान साम्राज्य इसी तरह स्थापित किए गए हैं, जहां आपके पास एक महान राजा होता है और फिर आपके पास उसके अधीन शासन करने वाले लोग होते हैं - उसके अधीन छोटे क्षेत्रों पर शासन करते हैं। तो इस सृष्टि वृत्तांत में आपके पास यह है कि ईश्वर ने हवा की मछलियों, समुद्र के पक्षियों और चारों ओर रेंगने वाले प्राणियों पर शासन करने के लिए अपनी छवि में मानव जाति की रचना की। हम वास्तव में ईश्वर के स्थान पर सृष्टि पर शासन

कर रहे हैं। हम एक मायने में छोटे "देवता" हैं जो उनकी रचना के एक हिस्से पर शासन कर रहे हैं। यह कहने का एक भयानक तरीका है लेकिन क्या आप इसका मतलब समझते हैं? क्या परमेश्वर ने अपने शासन का कुछ भाग हमें प्रशासित करने के लिए दिया है? शायद यह कहने का यह बेहतर तरीका है। क्या ईश्वर ने अपना कुछ शासन हमें सौंप दिया है और हम, उप-शासनकर्ता के रूप में, महान राजा की ओर से शासन करते हैं।

अब ये कैसे स्थापित होता है। यह बहुत रुचिपूरण है। प्राचीन विश्व के राजाओं के प्रतिनिधि होते थे जो उनके स्थान पर शासन करते थे। दूसरे शब्दों में, आपके पास एक महान राजा होगा और महान राजा के पास उन विभिन्न क्षेत्रों पर उप-राजा होंगे जिन्हें राजा ने जीता था। इस प्रकार तुम्हारे राजाओं के प्रतिनिधि होंगे और वे राजा के स्थान पर शासन करेंगे। क्या किसी को साइरस, डेरियस और उन फ़ारसी शासकों की याद है? मूल रूप से उनके पास यह विशाल साम्राज्य था और वे विभिन्न क्षेत्रों के माध्यम से शासन करते थे जो साइरस के नाम पर या डेरियस के नाम पर उनके अधीन शासन करते थे। ऐसा लगभग हर राज्य में होता है जहां आपका एक बड़ा राजा होता है जो पूरी चीज़ पर शासन करता है। फिर ये गवर्नर, राजनयिक हैं जो दूसरी चीज़ पर शासन करेंगे और असीरियन समय में भी ऐसा ही था। ध्यान दें उत्पत्ति 1:26 में जोर शासन पर है।

अब अर्थ और नियति की दृष्टि से इसके क्या निहितार्थ हैं? क्या मानवजाति शासन करने के लिए बनी है? हम इस धरती पर परमेश्वर के शासन का प्रतिनिधित्व करने वाले उसके उप-शासनकर्ता हैं। क्या इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि हम सृष्टि पर कैसे शासन करते हैं? मानवजाति को आकाश के पक्षियों और समुद्र की मछलियों पर शासन करने का अधिकार दिया गया है। मानवजाति को पृथ्वी पर शासन करने के लिए दिया गया है। परमेश्वर ने अपना शासन हमें सौंप दिया है। इसलिए, क्या मनुष्य को, उदाहरण के लिए, पर्यावरण का ध्यान रखने की ज़रूरत है? क्या हम परमेश्वर की अच्छी पृथ्वी पर परमेश्वर के स्थान पर शासन कर रहे हैं? क्या इससे कोई फर्क पड़ता है कि हम पर्यावरण के संदर्भ में कैसे शासन करते हैं? अतः क्या ईसाई लोगों को पर्यावरणवादी प्रकार के प्रयासों में शामिल किया जाना चाहिए? अब, मैं वास्तव में बड़े पेड़ों को गले लगाने वाला या ऐसा कुछ भी नहीं

हूँ। लेकिन क्या हमारे पास जानवरों और पृथ्वी पर शासन करने का प्रबंधन है? अतः पर्यावरणवाद का एक आधार है। क्या पर्यावरणवाद का कोई आधार ईश्वर की छवि और हमारे पास मौजूद उस नियम में है जो ईश्वर ने दुनिया भर में हमारे लिए प्रतिबद्ध किया है? हाँ। आपको उसके साथ काम करना होगा। ईश्वर हर चीज़ को नियंत्रित करता है। लेकिन उसने कुछ नियंत्रण और गति का दायित्व मनुष्यों को सौंप दिया है। अब, वह अभी भी हमें नियंत्रित करता है, लेकिन शासन करने की उस क्षमता के साथ हमारे लिए कुछ जिम्मेदारियाँ भी आती हैं कि हमें उसके स्थान पर शासन करना होगा। इसलिए, इस धरती पर हम ईश्वर के शासन को कैसे प्रकट करते हैं, इस पर हमारी कुछ जिम्मेदारियाँ हैं। इसे ईश्वर की महिमा और अच्छाई को प्रतिबिंबित करना चाहिए लेकिन उसकी शक्ति को नहीं छीनना चाहिए क्योंकि वह महान राजा है। वह हर चीज़ पर शासन करता है।

एम. छवि के भाग के रूप में शारीरिक समानता [54:49-61:47]

अब, इसे बेचना सबसे कठिन होने वाला है। मैं यहां यह सुझाव देने का प्रयास करने जा रहा हूँ कि हम वास्तव में शारीरिक रूप से भगवान की तरह दिखते हैं। अब आप कहें, यह आपको कैसे मिला? खैर, दो हिब्रू शब्द हैं: समानता और छवि। समानता और छवि के लिए शब्द *tselem* और *demut* हैं। यदि आप इन दो शब्दों *त्सेलेम* और *ड्यूम्ट*, "छवि" और "समानता" पर शब्द अध्ययन करते हैं, तो वे दोनों बहुत ही भौतिक शब्द हैं। वे नैतिक शर्तें नहीं हैं। वे बहुत भौतिक शब्द हैं। इसलिए, उदाहरण के लिए, मैं आपको 1 शमूएल 6:5 से केवल एक उदाहरण देता हूँ, यह कहता है कि पलिशियों ने छवियाँ बनाईं, *त्सेलमया डेमुत*। उन्होंने चूहों की ये भौतिक छवियाँ सोने से बनाईं। अब सवाल: क्या ये सोने के चूहे चूहों जैसे दिखते थे? हाँ, लेकिन वे सोने के बने थे इसलिए वे असली चूहे नहीं थे। हालाँकि वे चूहों की तरह दिखते थे। क्या आप उस सोने के चूहे को देख सकते हैं और कह सकते हैं कि वह चूहा है लेकिन वह सोने में है। तो मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि एक शारीरिक समानता है और हम इसे यहां देखते हैं।

वैसे ये तो आप सभी लोग जानते हैं। प्राचीन विश्व में इज़राइल में क्या इज़राइलियों ने कभी अपने लिए "छवियाँ" बनाई थीं? यदि मैं आपसे "छवियाँ" कहूँ, तो क्या वे छवियाँ

भौतिक छवियां होंगी। क्या उन्होंने डेगन, बाल और कमोश और कुछ प्राचीन देवताओं की भौतिक छवियां बनाईं? उन्होंने उनके ये भौतिक चित्र बनाये। वह स्थूल चित्र थे फिर उन चित्रों के आगे मनुष्य झुकते थे। आखिर ये छवियाँ किस चीज़ से बनी थीं? हम जानते हैं कि वे किस चीज से बने थे? हाँ, किसी ने कहा "सोना", - वे अमीर लोग थे। अधिकांश लोगों ने इन्हें किस चीज़ से बनाया है? पत्थर और लकड़ी. आम तौर पर, आपने अपनी छवियां पत्थर और लकड़ी से बनाईं।

लेकिन फिर भी, चलो वहां से निकलें। लेकिन मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि छवियां ऐसी चीजें थीं जो भौतिक थीं। तो मैं जो सुझाव देने की कोशिश कर रहा हूँ वह यह है कि यहां ये दोनों शब्द बहुत ही भौतिक शब्द हैं। "चित्र" आम तौर पर बहुत ही भौतिक होते थे। तो मैं जो सुझाव दे रहा हूँ वह यह है कि हम वास्तव में शारीरिक रूप से भगवान की तरह दिखते हैं।

अब मुझे एक कदम और आगे बढ़ाने दीजिए। मान लीजिए कि मैं एक असीरियन राजा हूँ, तो आप भाग्यशाली हैं, लेकिन मैं भाग्यशाली नहीं हूँ। असीरियन बहुत क्रूर थे। वे प्राचीन विश्व के हिटलर थे। आपके यहां एक महान असीरियन राजा था और जब उसने एक नए क्षेत्र पर विजय प्राप्त की, तो अनुमान लगाइए कि उसने क्या किया? जब असीरियन राजा किसी नए क्षेत्र पर विजय प्राप्त करता था, तो वह अपनी एक मूर्ति स्थापित करता था। उस मूर्ति का क्या मतलब था? इसका मतलब था कि "मैं महान राजा हूँ, मेरी मूर्ति ज़ोफर या दमिश्क में है ; तो इसका मतलब यह है कि मैं दमिश्क और सोफर में राजा हूँ । इसलिए राजा पत्थर से बनी अपनी एक भौतिक प्रतिमा स्थापित करेगा। इस तरह से मुझे याद आता है, वह लड़का कौन है? इराक में एक आदमी था जिसके पास अपनी इतनी बड़ी मूर्ति थी ? क्या आपको याद है उन्होंने सद्दाम हुसैन की छवि गिरा दी थी . दूसरे शब्दों में, छवि का क्या मतलब है? मैं इस क्षेत्र का राजा हूँ. अब देखो भगवान क्या करता है. ईश्वर अपनी एक छवि बनाता है और उसे पृथ्वी पर रखता है। क्या इस तरह से परमेश्वर पृथ्वी पर अपनी संप्रभुता, अपने राजत्व की घोषणा कर रहा है? हम भगवान की वह छवि हैं. वह हमें अपने स्थान पर शासन करने के लिए यहां रखता है और ताकि एक भौतिक समानता हो। हम भगवान के

समान हैं. जैसे असीरियन राजा एक मूर्ति, एक छवि बनाता है और उसे उस क्षेत्र पर रखता है जिस पर वह शासन करता है , अब भगवान भी अपनी छवि हमारे अंदर रखता है और हमें उसके शासन का प्रतीक और कार्यान्वयन करने के लिए पृथ्वी पर रखता है।

अब मुझे इसे थोड़ा और आगे बढ़ाने दीजिए। कोई कह सकता है, " एक मिनट रुकें हिल्डेब्रांट, यीशु ने कहा था 'ईश्वर एक आत्मा है और आत्मा के पास मांस और हड्डियाँ नहीं होतीं जैसा कि तुम मुझे देखते हो।' तो यदि परमेश्वर एक आत्मा है और उसमें मांस और हड्डियाँ नहीं हैं, तो हम परमेश्वर की भौतिक छवि में कैसे बने हैं? आपने कहा कि आप वास्तव में भौतिकता के बारे में इस बात पर विचार कर रहे हैं। परन्तु परमेश्वर आत्मा है, वह सृजा नहीं गया, उसके मांस और हड्डियाँ नहीं हैं।" मैं चाहता हूँ कि आप यीशु के बारे में सोचें। क्या यीशु ने मानव रूप धारण किया था? हाँ वह था। क्या वह केवल मनुष्य के रूप में प्रकट हुआ था या वह शारीरिक रूप से मनुष्य था? वह एक इंसान था. जब यीशु मारा गया, तो क्या वह सचमुच एक इंसान के रूप में मरा था? उसकी मृत्यु हो गई। मरने के बाद जब वह जीवन में वापस आता है, तो क्या यीशु सिर्फ एक आत्मा के रूप में जी उठा था या यीशु शारीरिक रूप से जी उठा था। दरअसल, वह यहां तक जाता है कि उस आदमी का नाम क्या था? वह कहता है, "अरे, इसे जांचो, अपनी उंगलियां यहां रखो। अपनी उँगलियाँ मेरी तरफ रखो. यह मैं हूँ, यह मैं हूँ, मुझे सूली पर चढ़ाया गया था।" क्या आपको थॉमस पर संदेह करना याद है? तो वह थॉमस से कहता है... वैसे, पुनरुत्थान के बाद यीशु ने क्या अपने शिष्यों के साथ बैठकर खाना खाया था? हाँ। तो क्या पुनरुत्थान के बाद यीशु शारीरिक थे? क्या पुनरुत्थान भौतिक था? क्या यीशु अनंत काल तक मानव शरीर में रहेंगे? क्या यीशु मृतकों में से जी उठे और क्या वह मानव शरीर में सदैव जीवित रहेंगे? यीशु, भविष्य में, और अब कुछ हज़ार साल हो गए हैं, वह अभी भी अनंत काल तक मानव शरीर में है। क्या यह संभव है कि सृष्टि से पहले यीशु मानव शरीर में थे या मानव शरीर की तरह थे और हम मसीह की छवि में बने थे, जिस भौतिकता में हम बनाये गये थे वह मसीह की छवि थी। इसलिए, क्या ईसा मसीह मनुष्य बन सकते हैं क्योंकि हम संगत हैं। क्या यीशु कुत्ता बन सकते हैं? क्या यीशु कुत्ता बन जायेंगे? तुम जानते हो कि मैं क्या कह रहा हूँ? क्या कुत्ता

असंगत है? क्या वह इंसान बन सकता है? हाँ। वह ऐसा कर सकता है क्योंकि वहाँ अनुकूलता है। तो मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि ईसा मसीह का अनंत काल से "मानवीय रूप" था और मनुष्य के रूप में हम उस छवि में बने हैं। जब यीशु नीचे आते हैं, तो वह स्वयं को एक इंसान में बदल सकते हैं। क्या वह संगत है ताकि वह अनंत काल तक इसी तरह बना रह सके? हाँ, वह इसके अनुकूल है। समझ आया? इसलिए मैं तर्क दे रहा हूँ कि हम वास्तव में भगवान की तरह दिखते हैं। शब्द *त्सेलेम* और *डेमुट* भौतिक शब्द हैं। मैं जो सुझाव दे रहा हूँ वह यह है कि हमें मसीह की तरह बनाया गया है। हम मसीह के स्वरूप में बनाये गये हैं।

पतन के बाद क्या हमें अनैतिक और पापी होने से कुछ परेशानी होती है? क्या हम मसीह की छवि में पुनः निर्मित किये जा रहे हैं? क्या मसीह जैसा बनना हमारी नियति है? तो हम यहीं जा रहे हैं और इसलिए हम एक निश्चित अर्थ में बगीचे में वापस जा रहे हैं। ईश्वर की छवि हमारे अंदर है, पाप के कारण वह धूमिल हो गई है। हम मसीह की तरह बनने की ओर वापस जा रहे हैं। अब हम मसीह की छवि में बने हैं, यही मैं सुझाव दे रहा हूँ। इसलिए अनुकूलता है।

ओ. मानव जाति में भगवान की छवि के निहितार्थ [61:48-64:22]

अब मैं यहाँ कुछ अन्य बातें उठाना चाहता हूँ। इसके कुछ निहितार्थ हैं जो सचमुच अद्भुत हैं। भविष्य में देखो. 1 यूहन्ना 3:2 भविष्य में होने वाली छवि के बारे में बात करता है। "परन्तु हम जानते हैं कि जब वह [अर्थात्, यीशु] प्रकट होगा, तो हम उसके समान हो जाएँगे।" जब यीशु प्रकट होंगे, तो क्या हमारे शरीर में परिवर्तन होगा? "हम उसके जैसे होंगे क्योंकि हम उसे वैसा ही देखेंगे जैसा वह है। जो कोई भी उस पर यह आशा रखता है वह क्या करता है? - "अपने आप को शुद्ध करता है।" क्या मसीह की वापसी की आशा हमें शुद्ध करती है? क्या हम मसीह की वापसी की आशा में प्रतीक्षा करते हुए स्वयं को शुद्ध करते हैं?

क्या आप किसी ऐसे व्यक्ति को जानते हैं जो मसीह के आगमन के प्रकाश में रहा है? मेरे पिता बूढ़े थे; मुझे वह याद है जब मैं छोटा था और वह खिड़की के पास जाता था और वह लगभग रोजाना ही खिड़की के पास जाता था। वह खिड़की के पास जाता, वह खिड़की

से बाहर देखता और कहता: "तुम्हें पता है कि यीशु आज वापस आ रहे होंगे।" क्या इससे उसके जीवन को आकार मिला? बेहतर होगा कि आप विश्वास करें कि ऐसा हुआ। क्या वह मेरी माँ से प्यार करता था क्योंकि शायद मसीह आज वापस आ रहे हैं? वह शायद अन्य कारणों से भी मेरी माँ से प्यार करता था। क्या वह मेरी माँ से प्यार करता था? हाँ। क्या मेरे पिता ने सबसे अच्छा पिता बनने की कोशिश की, क्योंकि क्या? हो सकता है कि मसीह आज वापस आ रहे हों और मुझे अपने निर्माता का सामना करना पड़े। तो आपको वहाँ एक बहुत ही सुंदर चीज़ मिली जो परिवर्तन लाती है और आशा देती है। मैं जो सुझाव देने का प्रयास कर रहा हूँ वह यह है कि क्या आशा यह बदल देती है कि आप कौन हैं?

मान लीजिए कि मेरी पत्नी अब सीपीए है। मान लीजिए आप लोग सीपीए बनने जा रहे हैं। यदि आप गॉर्डन कॉलेज में सीपीए बनना शुरू करते हैं और ये सभी पाठ्यक्रम लेते हैं, तो क्या सीपीए बनने की आपकी आशा यह तय करेगी कि आप कैसे सीखते हैं और अपनी आशा के कारण आप क्या सीखते हैं? आप आशा करते हैं कि आप कुछ करने में सक्षम होंगे या इस प्रकार का व्यवसाय या करियर बनाएंगे। तो आप ऐसा करने के लिए अपनी पढ़ाई को आकार दें। क्या आशा यह तय करती है कि आप कौन बनेंगे? वह जो कह रहा है वह यह है कि हमें यह आशा है कि मसीह वापस आएगा और जब हम उसे देखेंगे तो हम उसके जैसे हो जाएंगे। हमारे अंदर ईश्वर की छवि नवीनीकृत हो जाएगी और हमें सही बना दिया जाएगा, यीशु के वापस आने पर हम उसकी दृष्टि में शुद्ध हो जाएंगे। क्या यह एक बड़ी आशा है? यह एक बड़ी आशा है, किसी दिन हम यीशु को देखेंगे और वह हमें अपनी छवि में बदल देगा।

पी. अन्य में छवि [64:23-72:42]

अब यहां कुछ और चीजें भी हैं। मुझे लगता है कि सीएस लुईस की पुस्तक *वेट ऑफ ग्लोरी* इसी से संबंधित है। क्या आप अन्य लोगों में ईश्वर की छवि देख सकते हैं? क्या आप उन लोगों में ईश्वर की छवि देख सकते हैं जिन्हें आप नापसंद करते हैं? क्या वे परमेश्वर की छवि में बनाये गये हैं? क्या कोई अच्छाई है? क्या ईश्वर की भलाई किसी न किसी रूप में प्रत्येक व्यक्ति में अंतर्निहित है? क्या यह संभव है कि वे वास्तव में दुष्ट व्यक्ति हो सकते हैं?

लेकिन क्या वे अभी भी भगवान की छवि में बने हैं।

मैं इसके दो उदाहरण देना चाहता हूँ और मैं यहां चल रहा हूँ क्योंकि मैं इन उदाहरणों पर बाइबिल से दूर जाना चाहता हूँ क्योंकि वे मेरे लिए बुरी यादें वापस लाते हैं। एक बार मैं ग्रैंड आइलैंड हाई स्कूल नामक स्थान पर गया। ग्रैंड आइलैंड हाई स्कूल में मेबेलिन नाम की एक लड़की थी। मेबेलिन थी, मुझे नहीं पता कि इसे कैसे कहूँ, वह हाई स्कूल में सबसे घरेलू लड़की थी। यह ऐसा था जैसे आप उसके पास बैठना या उसके पास रहना नहीं चाहते थे क्योंकि आपको वही मिलेगा जो उसे मिला है और आप वह नहीं चाहते हैं। यह कूटीज़ जैसा है या जो कुछ भी था। इसलिए सभी ने मेबेलीन से परहेज किया क्योंकि वह अछूतों में से एक है। क्या स्कूल में सभी ने इस बेचारी लड़की का मज़ाक उड़ाया? वास्तव में यह इतना दयनीय था कि कुछ समय बाद उन्होंने उसका मजाक भी नहीं उड़ाया। लेकिन कोई भी मेबेलिन के आसपास नहीं रहना चाहता था। प्रश्न: क्या मेबेलिन को भगवान की छवि में बनाया गया था? हाँ। उसके साथ ऐसा व्यवहार करना क्या उचित था? काश मैं अधिक तेज़ होता। मैं नहीं था। मैंने मेबेलिन के साथ कोई क्रूर काम नहीं किया लेकिन मैंने उसे उलटने के लिए भी कुछ नहीं किया। एक ईसाई के रूप में मुझे क्या करना चाहिए था? क्या यह संभव है कि मुझे उससे मित्रता करनी चाहिए थी और उसे उसमें ईश्वर की छवि का एहसास कराना चाहिए था और उसे बाहर लाना चाहिए था। जब मैं छोटा बच्चा था तो मैं इतना समझदार नहीं था कि ऐसा कर पाता और मुझे इसके लिए शर्म आती है, यह बुरा था। ग्रैंड आइलैंड हाई स्कूल में हमारा पुनर्मिलन हुआ। ऐसा कई साल बाद हुआ था। केविन कैर, एक लड़का जिसके साथ मैं हाई स्कूल गया था, उसने कहा: "अरे, टेड, क्या तुम्हें मेबेलिन याद है?" मेबेलिन को कौन भूल सकता है? स्कूल में केवल एक मेबेलिन थी। "मेबेलिन ईसाई बन गई है। वह अब मसीह में एक बहन है।" जब केविन ने मुझे बताया, तो मैंने सोचा "पवित्र गाय।" ईसाई लोगों को सभी लोगों के साथ सम्मान और सम्मान के साथ व्यवहार करना चाहिए।

अब मैं दूसरे उदाहरण पर चलता हूँ। एक बार की बात है, मैं और मेरी पत्नी एक संगीत समारोह में गये। यह एक माइकल कार्ड कॉन्सर्ट था। वह गृहयुद्ध के बाद का लड़का

था, जो बाइबल गीत गाता था। इसलिए हमें कुछ मुफ्त टिकटें मिलीं क्योंकि लनिता , एक लड़की जो हर समय हमारे घर पर रहती थी, और उसने हमारा खाना खाया, वह मूल रूप से हमारे साथ रहती थी। वह इस WDCX, एक ईसाई रेडियो स्टेशन के साथ थी। तो उसे मुफ्त टिकट मिल गया. हमें सभी विशेषाधिकार प्राप्त लोगों के साथ बूथ में बैठने का मौका मिला। तो यह सब कुछ था, यह लाल रस्सी और रस्सी से बंद खंड। तो हम नीचे झुके और उसने रस्सी उठा ली और हम ठीक सामने बैठ गए। माइकल कार्ड यहाँ एक संगीत कार्यक्रम कर रहा था और यहाँ एक बड़ा बूढ़ा वक्ता था। मेरी पत्नी को तेज़ संगीत पसंद नहीं है और मैं स्पीकर के सामने बैठा हूँ। मुझे यह तेज़ आवाज़ में पसंद है क्योंकि मैं सुन नहीं सकता। वैसे भी, मैं स्पीकर के सामने बैठा हूँ और कह रहा हूँ कि यह एक शानदार संगीत कार्यक्रम होने वाला है। वह इस बारे में है कि मैं हमसे 15 फीट की दूरी पर बात कर रहा हूँ। तो हम वहां बैठे हैं और मैं सोच रहा हूँ, " यार , ये विशेष सीटें हैं।" जब भी मैं किसी संगीत कार्यक्रम में जाता हूँ, मैं आमतौर पर पीछे होता हूँ और मुझे दूरबीन का उपयोग करना पड़ता है। तो इस बार हम शीर्ष पर हैं।

तो मैं मूल रूप से वहीं सीटों पर बैठा हूँ और अचानक यह आदमी अंदर आता है। वह रस्सी उठाता है और वह मेरे बगल में बैठ जाता है। मुझे लगता है, "यह लड़का एक बड़ा शॉट है, आप जानते हैं कि वे सभी यहाँ बड़े शॉट हैं जहाँ हम बैठे थे। फिर वह अपने जूते उतारने के लिए आगे बढ़ता है और अपने घूरते पैरों से अपना पैर यहीं रख देता है। वे थिएटर की सीटें थीं, वह अपना एक पैर वहां सामने वाली सीट पर रखता है और अपना एक पैर वहां रखता है। वहाँ एक महिला है, उसके पूरे बाल कटे हुए हैं और वह वास्तव में पूरी तरह से सजी-धजी हुई है, और इस महिला के पास इस लड़के के दो उभरे हुए पैर हैं जो उसकी नाक से छह इंच की दूरी पर हैं, चाहे वह किसी भी दिशा में घूमती हो। हर कोई जाना शुरू कर देता है: यह थोड़ा अजीब हो रहा है, मैंने इसे पहले कभी इतना बुरा नहीं देखा। तो वैसे भी, लैनिता सामने आ जाती है क्योंकि वह जानती है कि उस आदमी को वहाँ नहीं बैठना चाहिए था। तो वह इधर-उधर भागती है और नीचे की ओर आती है। वह अंदर आती है और उस लड़के से बात करने लगती है। अब लनिता तुम्हें यह जानना होगा कि यह

लड़की सख्त है। मुझे नहीं पता कि उसका वर्णन कैसे करूं. इस लड़की ने जिंदगी में बहुत कुछ देखा है. मैं बहुत सी प्रमुख चीजों के बारे में बात कर रहा हूं। वह एक सख्त लड़की है. वह नीचे आती है, उस लड़के से बात करती है। मुझे नहीं पता कि उस लड़के ने उससे क्या कहा लेकिन अचानक वह इस तरह पीछे हटने लगी और चली गई। मैंने सोचा, "पवित्र गाय, मैंने उसे पहले कभी इस तरह का व्यवहार करते नहीं देखा था।" मुझे नहीं पता कि उसने क्या कहा लेकिन मैंने पहले कभी उसे इस तरह पीछे हटते नहीं देखा। वह काफी आक्रामक युवा महिला है। तो वह वापस आती है, बैठ जाती है।

फिर मैं उस लड़के से बात करना शुरू करता हूं और वह आदमी मुझे अपनी कहानी बताना शुरू करता है। वह इस कपड़े धोने की चटाई में था और 40 लोग उस पर कूद पड़े। उसके पास थर्ड डिग्री ब्लैक बेल्ट है और उसने सभी 40 लोगों को उड़ा दिया। तो मैं इस लड़के से बात कर रहा हूं और मेरी पत्नी इस बीच अनीता की ओर झुकती है और कहती है: " यह ठीक है, टेड ऐसे लोगों के साथ बहुत अच्छी तरह से बात करता है।" तो मैं सोच रहा था: ठीक है 40 लोग, थर्ड डिग्री ब्लैक बेल्ट। पता चला कि मैं और मेरा बेटा उस समय अपनी ब्लैक बेल्ट पर काम कर रहे थे। वह थर्ड डिग्री है, यह दिलचस्प होना चाहिए और इसलिए वह बात करना जारी रखता है। वह अपने दिमाग से कंप्यूटर चलाता है। उन्होंने एक समय में 20 कंप्यूटर बनाए। वह कीबोर्ड, माउस या किसी भी चीज़ या यहां तक कि भाषण का भी उपयोग नहीं करता है। वह अपने दिमाग से एक बार में 20 कंप्यूटर चलाता है। तो वह जा रहा है और कहानियाँ थोड़ी अजीब और अजनबी होती जा रही हैं।

तो इस बीच, मध्यांतर, क्या होता है, सभी लोग उड़ान भरते हैं, वे सभी चले जाते हैं। मैं वहीं रुका और मध्यांतर तक उस लड़के से बात करता रहा। वे वापस आते हैं, हम बैठते हैं और संगीत कार्यक्रम समाप्त करते हैं।

कॉन्सर्ट के अंत में, जाहिर है, क्या इस आदमी को कोई समस्या होगी? हाँ। तो मैं खड़ा हुआ और मैंने कहा, "मैं आपकी शक्ति को महसूस करना चाहता हूं" क्योंकि वह मुझे अपनी सारी शक्ति के बारे में बता रहा था। तो मैंने कहा, "मैं आपकी शक्ति को महसूस करना चाहता हूं।" तो यह आदमी मुझे जोर से गले लगाता है और मुझे दबाने लगता है। मैं

यह पता लगा रहा हूँ कि अगर यह खराब हो गया तो मैं क्या करूँगा। मैं अपना ख्याल रख सकता हूँ, मैं बड़ा लड़का हूँ। उसने मुझे निचोड़ना शुरू कर दिया और मैंने कहा, "मैं आपकी शक्ति को महसूस करना चाहता हूँ।" तो वह वास्तव में मुझ पर दबाव डालना शुरू कर देता है। फिर उससे गलती हो गई, उसने मुझे उठाने की कोशिश की। वह मुझे ज़मीन से उठाता है और उसकी पीठ बाहर निकल जाती है। वह कहता है, "ओह, मेरी पीठ, मेरी पीठ।" ठीक वैसे ही, अचानक इस भव्य कल्पना की सारी पौराणिक कथाएँ लुप्त हो गईं। बेचारे आदमी की पीठ पर चोट लगी। मेरा मतलब है, मैंने ऐसा करने की कोशिश नहीं की।

मैं तुमसे यह पूछता हूँ, क्या वह परमेश्वर के स्वरूप में बनाया गया था? क्या मुझे उसके साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार करना चाहिए था? हाँ। क्या आप जानते हैं उस रात भगवान ने मुझे छोटे-छोटे तरीकों से दिखाया कि मुझे अपने जीवन के साथ क्या करना चाहिए। भगवान ने मेरे जीवन के प्रति अपनी इच्छा व्यक्त करने के लिए उस व्यक्ति का उपयोग किया। भगवान की इच्छा क्या है? उस आदमी ने इसे सुलझाने में मेरी मदद की। मैं जो कहना चाहता हूँ वह यह है कि मैं उस आदमी के लिए भगवान की स्तुति करता हूँ। मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि सावधान रहें, भगवान सभी विभिन्न प्रकार के लोगों के माध्यम से बोलते हैं। अब मैं किसी को जानता हूँ कि वे हर समय बेघर लोगों के आसपास रहते हैं और यह ऐसा है जैसे वे बेघर लोगों के आसपास घूमते हैं, ये सभी बेघर लोग हैं। क्या आप जानते हैं कि उन बेघर लोगों में से एक यीशु हो सकता है? वे आप सभी के लिए देवदूत हो सकते हैं। तो मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि जब आप लोगों को देखते हैं तो क्या आप उन्हें सम्मान और सम्मान की दृष्टि से देखते हैं, भले ही वे जीवन की कठिनाइयों में हों। भगवान आपके माध्यम से और आपसे बात करने के लिए उन लोगों का उपयोग कर सकते हैं। मैं जो कह रहा हूँ वह यह है: सभी लोगों के साथ सम्मान और गरिमा के साथ व्यवहार करें।

वैसे भगवान की छवि, ये छोटी चीज़ है या ये बड़ी चीज़ है? यह एक बड़ा विचार है। मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि छवि को हमें सभी प्रकार की सीमाओं के पार दूसरों से जुड़ने की अनुमति देनी चाहिए ताकि हम अन्य लोगों में ईश्वर की महिमा देख सकें। और वैसे भी, क्या यह संभव है कि कोई अन्य व्यक्ति इसे स्वयं में भी न देख सके? क्या आप उसे

बाहर ला सकते हैं? यह हमारा उपहार है.

भगवान ने हमें बताया, हम भगवान की छवि में बने हैं और हम भगवान की तरह बन सकते हैं जब हम उस छवि को अन्य लोगों में देखते हैं और उन्हें वह महिमा और सम्मान देते हैं जो उन्हें अपने पिता, अपनी मां, किसी से भी कभी नहीं मिली होगी। हम उन्हें भगवान की छवि में बनाए जाने का सम्मान और सम्मान दे सकते हैं। यह अद्भुत है। यह सचमुच महत्वपूर्ण चीज़ है। यह बड़ा सौदा है। लोग भगवान की छवि में बने हैं, यह बहुत बड़ी बात है।

प्र. जीवन का वृक्ष [72:43-77:32]

अब , मैं एक और विषय पर आता हूँ जिस पर हम यहाँ चर्चा करना चाहते हैं: जीवन का वृक्ष। आइए इस पर शीघ्रता से विचार करने का प्रयास करें। मैं तुम्हें बताऊंगा क्या, क्या तुम लोग खड़े होना चाहते हो? हम आप लोगों में कुछ सांस लेने के लिए पूरी तरह से बाइबल-

रॉबिक्स क्यों नहीं चलाते । ठीक है, मैं बस दो पेड़ों को ढक देना चाहता हूँ और हमारा दिन भर का काम हो जाएगा। जीवन का वृक्ष, ईडन गार्डन में इस जीवन के वृक्ष का क्या कार्य है? आपके पास वहां वर्णित जीवन का वृक्ष है। उन्हें कैसे पता चला होगा कि जीवन का वृक्ष क्या है? क्या उन्हें पता होगा कि मृत्यु क्या होती है? यदि आप मृत्यु को समझते हैं, तो आप जानते हैं कि जीवन उसके विपरीत है। लेकिन क्या होगा यदि आपने वास्तव में कभी मृत्यु का अनुभव नहीं किया हो?

क्या यह संभव है कि पाप में गिरने से पहले मृत्यु हो? क्या यह संभव है कि जानवर पाप होने से पहले, पतन से पहले मर गये हों? अब ये सोचने वाली बात है। मेरे पास इस पर कोई उत्तर नहीं है, लेकिन मेरे पास एक बार एक प्रोफेसर थे जिन्होंने इसे लेकर मेरा दिमाग घुमा दिया था और मुझे अभी भी इसका उत्तर नहीं पता है। क्या यह संभव है कि पतझड़ से पहले? क्या अमीबा अन्य चीजें खाते थे? क्या छोटे-छोटे जीव-जंतुओं ने, क्या जीवाणुओं ने चीजें खायीं? क्या शेरों ने गिरने से पहले सामान खाया था? क्या शेरों ने दूसरे जानवरों को खाया? तो मैं जो सुझाव दे रहा हूँ वह यह है: क्या यह संभव है कि पतन से पहले जानवरों की

मृत्यु हुई थी और आदम और हव्वा जानते थे कि मृत्यु क्या थी क्योंकि उन्होंने इसे जानवरों की दुनिया में देखा था, हालांकि उन्होंने इसका अनुभव किया था? मुझे नहीं पता। तो जैसे भी बस इसे अपने दिमाग में रख लें, शायद यह संभव है। कुछ लोग सोचते हैं कि आदम और हव्वा के पतन से पहले जानवरों की मृत्यु हुई थी और इसी तरह उन्हें यह पता चला होगा। फिर पतन के साथ मनुष्य मृत्यु को प्राप्त होता है। हाँ, क्या आपका कोई प्रश्न है? (छात्र बोलता है) ठीक है, क्या हर कोई देखता है कि वह एक अलग रणनीति अपना रही है? यह रोचक है। वह कह रही है कि वे धूल को जानते होंगे, तुम्हें धूल में ही लौट जाना चाहिए क्योंकि तुम मिट्टी से आए हो। लेकिन वह धूल कब लौटी? उन्हें ऐसा कब बताया गया? बाद में अध्याय तीन में, लेकिन शायद वे यह पहले से जानते थे, लेकिन हमें इसे वापस प्रक्षेपित करना होगा।

अब आइए इस पेड़ के साथ कुछ अन्य चीजों के बारे में सोचें। क्या उत्पत्ति 2:16 का तात्पर्य यह है कि वे पतझड़ से पहले जीवन के वृक्ष का फल खा सकते थे? उत्पत्ति 2:16 में यह कहा गया है, " और यहोवा ने मनुष्य को आज्ञा दी, 'तू बाटिका के किसी भी वृक्ष का फल खाने के लिये स्वतन्त्र है।'" सिवाय कितने, एक या दो के? एक। "तू बाटिका के किसी भी वृक्ष का फल खाने को स्वतंत्र है, परन्तु भले या बुरे के ज्ञान के वृक्ष का फल तू कभी न खाना।" तो क्या इसका मतलब यह है कि वे वास्तव में जीवन के वृक्ष का फल खा सकते हैं? हाँ। इसका तात्पर्य यह है कि वे जीवन के वृक्ष का फल खा सकते थे। एक पेड़ जिसे वे नहीं खा सकते थे वह अच्छे और बुरे के ज्ञान का पेड़ था। तो ये दिलचस्प है।

जैसे , जब वे पाप करते हैं तो क्या होता है? उन्हें बगीचे से बाहर निकाल दिया जाता है। पाप करने के बाद परमेश्वर उन्हें बगीचे से बाहर निकाल देता है। अध्याय 3 श्लोक 22 में यह कहा गया है: "और प्रभु ने कहा , मनुष्य अब भले बुरे का ज्ञान पाकर हम में से एक के समान हो गया है। उसे हाथ बढ़ाकर जीवन के वृक्ष का फल लेने, खाने और सर्वदा जीवित रहने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।" तो आदम और हव्वा को बगीचे से बाहर निकाल दिया गया ताकि वे किस पेड़ तक न पहुँच सकें? ज़िन्दगी का पेड़। इसलिए इस बिंदु पर जीवन का वृक्ष मानव जाति से हटा दिया जाता है जब उन्हें बगीचे से बाहर निकाल दिया

जाता है।

अब मेरे लिए वास्तव में जो दिलचस्प है वह प्रकाशितवाक्य 22 है। जब नया यरूशलेम नीचे आता है और पानी निकल जाता है, तो अनुमान लगाइए कि नए यरूशलेम में कौन सा पेड़ फिर से दिखाई देगा? जीवन का वृक्ष बारह मौसमों में फल देकर नदी के दोनों किनारों पर फिर से प्रकट होता है। बारह हैं इसलिए यह साल के हर महीने फल देता है और पत्तियाँ राष्ट्रों के उपचार के लिए थीं। क्या जीवन का वृक्ष अभी भी आसपास है? कहीं, यहाँ नहीं। जब नया यरूशलेम नीचे आता है तो जीवन का वृक्ष वहाँ मौजूद होता है और हमें इसमें भाग लेने का मौका मिलता है। तो, दूसरे शब्दों में, जीवन का वृक्ष अभी भी वहाँ है और प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में यह मौजूद है। वैसे, क्या बाइबल की शुरुआत इसी जीवन के वृक्ष से होती है, और पतझड़ के बाद हम जीवन के वृक्ष से अलग हो जाते हैं। आप देखते हैं कि बाइबल का शेष भाग मूलतः हमें जीवन के वृक्ष की ओर वापस ले जाता है। यह काफ़ी दिलचस्प है। बाइबल जीवन के इस वृक्ष से शुरू और खत्म होती है।

आर. जीवन के वृक्ष के 3 दृश्य [77:33-80:12]

अब , यहाँ जीवन के वृक्ष के तीन दृश्य हैं। कुछ लोग सोचते हैं कि जीवन का वृक्ष एक जादुई चीज़ थी। तुम फल खाते हो और तुम सदैव जीवित रहते हो। क्या बाइबल जादू से बहुत कुछ करती है? नहीं, असल में बाइबल में चमत्कार हैं। लेकिन चमत्कार आमतौर पर किसी उद्देश्य के लिए होते हैं। एक कारण है, यह सिर्फ जादू नहीं है। तो मुझे लगता है कि यह जादुई दृश्य ट्यूब के नीचे है।

कुछ लोग सोचते हैं कि यह स्वास्थ्यप्रद भोजन जैसा था। दूसरे शब्दों में, यह उत्तम प्रकार का भोजन था जो संतुलित था। यदि आपने जीवन के इस वृक्ष का फल खाया, तो यह उत्तम भोजन संयोजन होगा। यह अखरोट की तरह था, ढेर सारा ओमेगा 3एस। इसलिए खूब अखरोट खाइए और आप हमेशा जीवित रहेंगे। मैं तो बस मजाक कर रहा हूँ। अखरोट आपके लिए अच्छा है . उत्तम स्वास्थ्यवर्धक भोजन, जब आप इस पर उत्पत्ति प्रसंग पढ़ रहे हैं तो क्या यह वास्तव में उत्तम स्वास्थ्यवर्धक भोजन प्रतीत होता है? नहीं, फिर यह सही नहीं लगता.

यहां एक सुझाव है, यह वह है जिसे मैं खरीदता हूं और मुझे लगता है कि यह दिलचस्प है। जीवन का वृक्ष एक संस्कार था। अर्थात् फल खाने से तुम्हें सदैव जीवित रहने का पोषण नहीं मिला, परन्तु जीवन का वृक्ष एक संस्कार के समान था। जब मैं संस्कार कहता हूं, तो आपके मन में क्या आता है? संस्कार प्रभु भोज, यूचरिस्ट है। प्रभु भोज, यूचरिस्ट में, आप एक कप लेते हैं और यह कप मेरा क्या है? यह नई वाचा का मेरा खून है। प्रश्न, क्या यह सचमुच उसका खून है? नहीं, आप इसे पियें, यह अंगूर का रस या वाइन है या मैंने कभी-कभी सेब का रस पिया है, यहाँ तक कि एक बार कूल-एड भी। मैं कूल-एड की अनुशंसा नहीं करता क्योंकि इस दुनिया में कूल-एड पीने वाले काफी हैं। मुझे वापस आने दो। प्याला मसीह के खून का प्रतीक है। पटाखा, तुम पटाखा (अखमीरी रोटी) तोड़ो। "यह मेरा शरीर है, जो तुम्हारे लिए टूट गया था," इस तरह की बात। तो रोटी उसके शरीर का प्रतीक है, जो टूटा हुआ है, रस के प्याले से निकला खून। तो वे किसी चीज़ के लिए खड़े होते हैं। वैसे, क्या आप उन छवियों का उल्लंघन कर सकते हैं? याद रखें 1 कुरिन्थियों में वह कहता है: "प्रभु का भोज अयोग्य रूप से मत खाओ।" वह नहीं चाहता कि छवियों का उल्लंघन हो। इसलिए मुझे आश्चर्य है कि क्या जीवन का वृक्ष सही जीवन और ईश्वर के साथ सही रिश्ते का प्रतीक है और इसे एक संस्कार के रूप में लिया जाता है। अब आपका जीवन हमेशा के लिए ईश्वर के साथ है और इसलिए इसे एक संस्कार की तरह लिया जाता है। भोजन के बजाय जो वास्तव में आपके शरीर को हमेशा के लिए जीवित रहने के लिए पोषण देता है, इसे एक पवित्र तरीके से लिया जाता है। समझ आया? मुझे वह पसंद है। यह बहुत सी चीज़ों का बहुत अर्थ देता है। इसलिए मैं इसे संस्कार के रूप में लेता हूं।

एस. अच्छे और बुरे के ज्ञान का वृक्ष [80:13-84:17]

अब, अच्छे और बुरे के ज्ञान का वृक्ष थोड़ा पेचीदा है। आदम और हव्वा को कैसे पता चलेगा कि बुराई क्या थी? यदि किसी ने केवल अच्छाई का अनुभव किया है और कभी बुरा नहीं, तो हम उस प्रकार के व्यक्ति को क्या कहते हैं? धन्य है, है ना? ठीक है, हमने वास्तव में "भोला" शब्द का प्रयोग किया होगा? आप क्या कहने जा रहे थे? (छात्र बोलता है) अज्ञानी। मैं इस पर एक बेहतर चेहरा रखना चाहता हूं। दरअसल, शायद मेरे दिमाग में भी यही चल

रहा था लेकिन मैं "भोला" शब्द का इस्तेमाल करना चाहता हूँ। क्या भोलापन थोड़ा बेहतर है? दूसरे शब्दों में, एक व्यक्ति भोला है, अगर उसने कभी बुराई का अनुभव नहीं किया है और आप जानते हैं कि यह कैसे होता है।

तो पतन से पहले आदम और हव्वा के लिए "बुराई" का क्या मतलब था? भगवान इस पेड़ को बगीचे में क्यों रखेंगे? यह अच्छे और बुरे के ज्ञान का वृक्ष है। फिर भी इसे बगीचे में क्यों रखा गया? मुझे यहां कुछ सुझाव मिले हैं। एक तो यह कि मेरा मानना है कि नैतिक एजेंट बनने के लिए चुनाव आवश्यक है। यदि कोई नैतिक एजेंट कभी कोई विकल्प नहीं चुनता है, तो क्या वह वास्तव में एक नैतिक एजेंट है? क्या आप चुनाव करने का महत्व देखते हैं? इसलिए पेड़ वहां लगाया गया है क्योंकि मनुष्य को चुनाव करने की जरूरत है।

क्या यह कॉलेज की समस्याओं में से एक है? क्या कॉलेज में सैद्धांतिक रूप से सभी प्रकार की चीजों का अध्ययन करना संभव है? क्या वास्तव में चुनाव करना बहुत अलग बात है? किसी चीज़ को चुनना, यह बहुत अलग है। क्या गॉर्डन कॉलेज में युद्ध के बारे में बात करना संभव है? क्या सैद्धांतिक रूप से गॉर्डन कॉलेज में किसी और की हत्या के बारे में बात करना संभव है? क्या मेरे बेटे के लिए अफगानिस्तान जाना और यह तय करना बहुत अलग है कि क्या वह किसी की जिंदगी खत्म करने के लिए ट्रिगर खींचेगा? मैं जो कह रहा हूँ वह यह है: जब कुछ करने का वास्तविक निर्णय लिया जाता है तो कॉलेज की ये सारी चीजें फीकी पड़ जाती हैं। सावधान रहें कि आप सोचना शुरू न करें: क्योंकि आप जानते हैं कि सैद्धांतिक रूप से चीजों से कैसे निपटना है, आप जीवन को जानते हैं और मैं जो कह रहा हूँ वह "नहीं" है। कॉलेज इसी के लिए बनाया गया है और यह अच्छा है लेकिन आपको यह जानना होगा कि जब आप वास्तविक जीवन में निर्णय लेते हैं तो यह बहुत अलग होता है। आपके पास परिणाम हैं; आपके पास हर तरह की चीज़ें चल रही होंगी। इसलिए कॉलेज को लेकर सावधान रहें, यह कभी-कभी आपके सिर पर चढ़ सकता है और यह बुरा है।

लेकिन चुनाव करते समय, क्या आपको अपनी नैतिक एजेंसी निर्धारित करने के लिए वास्तविक विकल्प चुनने की जरूरत है? हाँ। यहाँ एक और है जो मुझे लगता है कि पसंद और प्यार के मामले में महत्वपूर्ण है। क्या भगवान ने हमें इसलिए बनाया है कि हम उससे

प्यार करें या भगवान ने हमें कोई विकल्प दिया है? भगवान ने हमें एक विकल्प दिया है . मैं जो कह रहा हूँ वह यह है: क्या आप किसी ऐसे व्यक्ति से शादी करना चाहेंगे जो आपसे शादी करने के लिए मजबूर है और उसके पास कोई विकल्प नहीं है। उन्हें तुमसे शादी करनी थी. क्या आप किसी ऐसे व्यक्ति से प्यार करना चाहते हैं जो आपसे प्यार करना चाहता है? क्या किसी का आपसे प्यार करना चुनना बहुत मायने रखता है? हाँ। तो मेरा अनुमान है कि भगवान कहते हैं, “मैं उन्हें मुझसे प्यार करने के लिए मजबूर नहीं करने जा रहा हूँ। उन्हें वह विकल्प चुनना होगा। क्या वे मुझसे प्यार करेंगे या नहीं?” मानव जाति ने क्या किया? अब आप कहते हैं, "मैं तुमसे प्यार नहीं करना चाहता।" वैसे, क्या कभी किसी ने आपको यह बताया है? क्या आप कभी किसी लड़की के साथ बाहर गए थे और उसने आपको छोड़ दिया? क्या इससे बुरा लगता है ? क्या आप कभी बाहर गए हैं, लड़की किसी लड़के के साथ गई हो और लड़का लड़की को छोड़ दे? इससे आपको कैसा महसूस हो रहा है? क्या वे अस्वीकृतियाँ आपके अस्तित्व के मूल में चोट पहुँचाती हैं? अब भगवान को मूलतः मनुष्य ने क्या कहा है? “अरे, हम तुम्हें नहीं चाहते. हम अपना रास्ता खुद चुनने जा रहे हैं।”

प्रश्न, क्या इससे भगवान को ठेस पहुँचती है? वैसे, क्या बाइबल में ईश्वर को इस तरह ठेस पहुँचाने का वर्णन है? हाँ, यशायाह अध्याय एक। ईजेकील सबसे बुरा है. यहजेकेल 16 में, ईश्वर ने अपनी ही पीड़ा का वर्णन किया है जिसे इज़राइल ने उनकी सहायता करने और उनकी मदद करने और उनका पालन-पोषण करने और उनसे प्यार करने के बाद अस्वीकार कर दिया था और वे जो कुछ भी करते हैं वह उसे पैरों के बीच में लात मारते हैं। यह वहाँ की कल्पना का एक प्रकार का सारांश है। तो ऐसा प्रतीत होता है कि पसंद और प्रेम शामिल हैं।

टी. सर्प सच बोलता है?—उत्पत्ति 3 [84:18-88:40]

क्या साँप सच बोलता है? मैं तुम्हें जो सुझाव देने जा रहा हूँ वह यह है कि साँप सच बोलता है। अब आप कहते हैं, "एक मिनट रुकें हिल्डेब्रांट।" आइए इसे पढ़ें. यह कहता है, "अब साँप," उत्पत्ति अध्याय 3, श्लोक 1 और निम्नलिखित: "अब साँप प्रभु द्वारा बनाए गए सभी जंगली जानवरों से अधिक चालाक था।" "चालाक" शब्द का अनुवाद "चतुर" के रूप

में किया जा सकता है। मुझे "चतुर" अधिक पसंद है। "उसने स्त्री से कहा, क्या परमेश्वर ने सचमुच कहा है, कि तुझे बाटिका के किसी वृक्ष का फल न खाना चाहिए? स्त्री ने सर्प से कहा, हम बाटिका के वृक्षों का फल खा सकते हैं, परन्तु परमेश्वर ने कहा है, कि तुम बाटिका के बीच के वृक्ष का फल न खाना। तुम्हें इसे नहीं छूना चाहिए अन्यथा तुम मर जाओगे। सर्प ने कहा, तुम निश्चय ही नहीं मरोगे। क्योंकि परमेश्वर जानता है, कि जब तुम उसे खाओगे, तो तुम्हारी आंखें खुल जाएंगी।" सवाल, जब उन्होंने इसे खाया तो क्या इसका मतलब यह है कि उनकी आंखें खुल गईं? हाँ ऐसा होता है। क्या शैतान सच कह रहा है? जी हां, नागिन सच कह रही है। मुझे इसे समाप्त करने दीजिए: "तुम्हारी आंखें खुल जाएंगी और तुम परमेश्वर के तुल्य हो जाओगे।" क्या अध्याय 3 श्लोक 22 में भगवान कहते हैं : " मनुष्य अब हम में से एक जैसा हो गया है।" "तुम्हारी आंखें खुल जाएंगी, तुम परमेश्वर के तुल्य हो जाओगे और भले और बुरे का ज्ञान पाओगे।" परमेश्वर कहते हैं, " मनुष्य अब भले बुरे का ज्ञान पाकर हमारे जैसा हो गया है।" क्या शैतान सच कहता है?

मैं आपको बस एक कहानी सुनाता हूँ: एक बार मेरी बेटी छठी कक्षा में बास्केटबॉल खेलती थी, वह इस दूसरी लड़की के साथ खेलती थी। यह दूसरी लड़की हर समय झूठ बोलती थी। नहीं, गंभीरता से, उसने उन चीजों के बारे में हर किसी से झूठ बोला जिनका कोई महत्व ही नहीं था। क्या स्कूल में हर कोई जानता था कि यह लड़की झूठी थी? ये तो हर कोई जानता था. सवाल, क्या उसने कभी किसी को धोखा दिया या क्या सभी ने उससे झूठ बोलने की उम्मीद की थी? हर किसी को उससे यही उम्मीद थी। एकमात्र व्यक्ति जिसे उसने वास्तव में मूर्ख बनाया वह कौन था? खुद. उसने सोचा कि उसने सभी को धोखा दिया है। हर कोई जानता था कि वह क्या कर रही थी। क्या शैतान हमेशा झूठा होता है?

क्या शैतान पवित्रशास्त्र का उद्धरण देता है? जब शैतान जंगल में प्रलोभन में यीशु के पीछे आता है, तो क्या शैतान पवित्रशास्त्र का हवाला देता है? वह मसीह को शिखर पर ले जाता है और कहता है, "अपने आप को नीचे फेंक दो, क्योंकि भजन कहता है, 'उसके स्वर्गदूत तुम्हें उठा लेंगे।'" शैतान पवित्रशास्त्र का हवाला दे रहा है। क्या धर्मग्रन्थ सत्य हैं? हाँ, क्या शैतान सच बोलता है? अब मैं आपको चूहे मारने वाले जहर के बारे में एक रहस्य

बताता हूँ। जब आप चूहे का जहर निकालते हैं, तो आप इसे अच्छे हैमबर्गर में डालते हैं। अब क्या वह हैमबर्गर अच्छा हैमबर्गर है जिसे आप खा सकते हैं? इसमें से निन्यानबे प्रतिशत अच्छा हैमबर्गर है। लेकिन समस्या क्या है? यह एक प्रतिशत जहर है, चूहा इसे खाता है और इसे क्या मिलता है? एक प्रतिशत. अन्य निन्यानबे प्रतिशत वह अच्छा स्वस्थ हैमबर्गर है? हाँ।

मैं यह कह रहा हूँ कि जो व्यक्ति सच बोलता है, सच बोलता है, सच बोलता है और थोड़ा सा झूठ बोलकर लोगों को मूर्ख बनाता है? शैतान के साथ, वह सच, सच, सच कहता है। प्रश्न, सत्य के बीच में, क्या उसने कोई दुष्ट झूठ छिपा रखा है जो उन्हें नष्ट कर देगा? तो मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि सावधान रहें। क्या शैतान प्रकाश का देवदूत है या वह डार्थ वाडर है जो हमेशा दुष्ट होता है? क्या शैतान प्रकाश का दूत है? क्या वह लोगों को सच बताकर धोखा देता है लेकिन फिर उस सच के बीच में यह झूठ भी छिपा होता है। तो मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि शैतान वास्तव में सूक्ष्म, चतुर और चालाक है। वह बहुत दुष्ट है क्योंकि होता यह है कि वह सत्य जैसी चीज़ों में भी बुराई छिपा देता है। वह धार्मिकता, अच्छाई और उन सभी चीज़ों में बुराई समाहित करता है लेकिन अंदर यह चीज़ विनाशकारी है।

तो अच्छे और बुरे के ज्ञान के वृक्ष के साथ, शैतान इस सकारात्मक तरीके से आता है। मैं आपको बताऊंगा कि हम अगली बार क्या करेंगे: बुराई के अपने अनुभव में आदम और हव्वा भगवान के समान कैसे बन गए? फिर वे इससे नष्ट और शापित कैसे हो गये? तो हम अगली बार उस पर गौर करेंगे। इसलिए ध्यान रखें और हम आपसे गुरुवार को मिलेंगे।

यह डॉ. टेड हिल्डेब्रांट पुराने नियम का इतिहास साहित्य और धर्मशास्त्र पढ़ा रहे हैं।

वंशावली कालक्रम के बराबर नहीं, भगवान की छवि और ईडन गार्डन में दो पेड़ों पर व्याख्यान संख्या छह।

अल्लाना नोटारो द्वारा लिखित
टेड हिल्डेब्रांट-2 द्वारा
रफ संपादित